राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 108 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,24 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

जल्द ही मलिक की कारगुजारियों का भंडाफोड़ करेंगे : सोमैया

पालघर। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने शनिवार को महाराष्ट्र के मंत्री और राकांपा के प्रवक्ता नवाब मलिक पर प्रहार किया जिन्होंने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो के मुंबई क्षेत्र के प्रमुख समीर वानखेड़े पर अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। सोमैया ने कहा कि वानखेड़े ईमानदार अधिकारी हैं जो पिछड़ा समुदाय से आते हैं और इस वर्ष उन्हें उनके कार्य के लिए पुरस्कृत भी किया गया है।

साबरमती आश्रम के पुनर्विकास के खिलाफ विरोध मार्च गुजरात पहुंचा

अहमदाबाद। प्रसिद्ध साबरमती आश्रम के प्रस्तावित पुनर्विकास के खिलाफ महाराष्ट्र में वर्धा के सेवाग्राम में शुरू हुआ विरोध मार्च करीब 800 किलोमीटर की दूरी तय कर शनिवार को गुजरात में अहमदाबाद पहुंच गया। इस मार्च में करीब 50 गांधीवादी शामिल हैं। वे यहां गुजरात विद्यापीठ में एकत्र हुए और कहा कि वे केंद्र और राज्य सरकार को पुनर्विकास योजना के जरिए महात्मा गांधी के इस स्मारक को अपवित्र नही करने देंगे। विरोध मार्च रविवार सुबह प्रार्थना सभा के साथ औपचारिक रूप से यहां साबरमती आश्रम में समाप्त होगा।

ओडिशा : मछली पकड़ने के जाल में फंसे घड़ियाल को बचाया गया

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)। ओडिशा के कटक जिले में मछली पकड़ने के जाल में फंस गए घडियाल के बच्चे को बचाया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक मछुआरे ने शुक्रवार को छोटी गांव के पास बिरूपा नाले में ताजे पानी में पाई जाने वाली मगरमच्छ की प्रजाति के घड़ियाल को अपने जाल में फंसा पाया। घडियाल को लुप्तप्राय जीवों की श्रेणी में रखा गया है। स्थानीय मछुआरे जाल में इस अप्रत्याशित जीव को फंसा पाकर घबरा गए, लेकिन उन्होंने घड़ियाल को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। उन्होंने इस बारे में वन विभाग को सूचना दी जिन्होंने जाल में फंसे घडियाल को निकाला। घड़ियाल को अपने कब्जे में ले लिया है जिसे बाद में अंगुल जिले के टिकरपाड़ा वन्यजीव अभयारण्य में छोड़ दिया जाएगा।

शाह ने कश्मीर में चुनाव व राज्य की बहाली का वादा दोहराया

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांतिपूर्ण और विकसित जम्मू कश्मीर के सपने को साकार करने के लिए शनिवार को कश्मीर के युवाओं से समर्थन देने का आह्वान करते हुए दोहराया कि परिसीमन के बाद केंद्रशासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे और उसके बाद राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश के युवा क्लबों के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। गृह मंत्री शाह अगस्त 2019 में संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद पहली बार जम्मू कश्मीर की यात्रा पर आए हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां कश्मीर के युवाओं से मित्रता करने आया हूं। मोदी जी और भारत सरकार के साथ हाथ मिलाइए और कश्मीर को आगे ले जाने की यात्रा में भागीदार

> हमने संसद में वादा किया है कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और यह विधानसभा चुनाव के बाद किया जाएगा। चुनाव होंगे।
>
> अमित शाह

बनिए। गृह मंत्री ने कहा कि कश्मीर के युवाओं को अपनी प्रगति के लिए सरकार द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न मौकों का लाभ उठाना चाहिए।

शाह ने कहा, ईश्वर ने प्राकृतिक सुंदरता के साथ कश्मीर को स्वर्ग बनाया है, लेकिन मोदी जी यहां शांति, समृद्धि और विकास भी देखना चाहते हैं। उसके लिए, मैं यहां कश्मीर के युवाओं से समर्थन मांगने के लिए आया हूं।उन्होंने कहा, प्रशासन ने मित्रता का हाथ बढ़ाया है, युवा क्लब स्थापित किए गए हैं, आपको एक मंच, एक मौका दिया गया है, इसलिए आगे आएं और इस मौके का लाभ उठाएं। यहां लोकतंत्र को मजबूत बनाएं, युवा उन तत्वों को जवाब दें जो लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। शाह ने जोर दिया कि सरकार जम्मू कश्मीर में शांति और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, आप निश्चिंत रहें, कश्मीर में विकास की यात्रा नहीं रुकेगी तथा विकास, शांति, बुनियादी ढांचा और खुशहाली के मामले में जम्मू कश्मीर को आदर्श राज्य बनने से कोई नहीं रोकेगा। गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने संसद में वादा किया है कि जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और यह विधानसभा चुनाव के बाद किया जाएगा। उन्होंने कहा, चुनाव होंगे। (कश्मीर के नेतागण चाहते हैं कि) परिसीमन को रोक दिया जाए। क्यों? क्योंकि इससे उनकी राजनीति को नुकसान होता है।

क्रूज ड्रग: वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है

मुंबई ,(एजेंसी)।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) क्रूज जहाज से मादक पदार्थ जब्त होने के मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान समेत सभी गिरफ्तार आरोपियों के वित्तीय लेनदेन की जांच कर रहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी 26 अक्टूबर को बंबई उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए निर्धारित आर्यन खान की जमानत याचिका का विरोध करेगी। एनसीबी 2 अक्टूबर को मुंबई तट पर एक क्रूज जहाज पर छापा मारने और कथित तौर पर मादक पदार्थ जब्त करने के बाद से अब तक 20 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अधिकारी ने कहा कि जांच दल पहले ही ऐसे कुछ आरोपियों के लेन-देन के रिकॉर्ड एकत्र कर चुका है, जिनसे व्यावसायिक इस्तेमाल में लाए जाने वाले या बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त हुए थे। एजेंसी आरोपियों की आय के स्रोतों की भी जांच कर रही है। अधिकारी ने कहा कि जांच दल आरोपियों के मोबाइल फोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से हटाए गए संदेशों और व्हाट्सएप चैट को निकाल रहा है और जांच कर रहा है कि क्या उन्होंने एक दूसरे के साथ संवाद करने के लिए किसी अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया है। एनसीबी ने छापेमारी के दौरान कथित तौर पर कुछ आरोपियों के पास से एमडीएमए बरामद किया था।

बांग्लादेश में हिंसा: इस्कॉन ने 150 मंदिरों में प्रदर्शन किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

इस्कॉन के सदस्यों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हाल में हुए हमलों के खिलाफ पश्चिम बंगाल के मायापुर में संस्था के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय और अनेक देशों के 149 मंदिरों में हरे कृष्ण मंत्र का जाप करते हुए शनिवार को प्रदर्शन किए। पिछले सप्ताह बांग्लादेश में कई दुर्गा पूजा पंडालों और हिंदू मंदिरों तथा घरों पर हमले किए गए और तोड़-फोड़ की गई। नोआखली के एक इस्कॉन केंद्र में भी हमला किया। मायापुर में हजारों श्रद्धालुओं ने हरिनाम संकीर्तन किया और विरोध जताया। इस्कॉन के श्रद्धालुओं ने पूरी दुनिया के हिंदू समुदाय की पीड़ा और दुःख जताते हुए दुनियाभर में शांतिपूर्ण प्रदर्शन में भाग लिया और बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ एकजुटता प्रदर्शित की। मंदिरों में हरे कृष्ण मंत्र का जाप करते हुए शनिवार को प्रदर्शन किए।

वैक्सीन उत्पादकों के साथ पीएम मोदी ने की महत्वपूर्ण बैठक, कहा- आगे की चुनौतियों के लिए साथ काम करने की जरूरत

नई दिल्ली। दो दिन पहले टीकाकरण में 100 करोड़ के विशाल आंकड़े को पार करने के बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद टीका उत्पादन उद्योग से जुड़ी प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ अहम बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने वैक्सीन उत्पादकों से कहा कि उन्हें आगे की चुनौतियों की तैयारी के लिए लगातार एक साथ काम करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया टीकाकरण अभियान की सफलता को लेकर भारत की ओर देख रही है। पिछले डेढ़ सालों में काम करने के तौर-तरीकों में हमने जो सर्वोत्तम तरीका अपनाया है, उसे चलन में लाने की जरूरत है। हमें वैश्विक मानदंडों के मुताबिक अपने तरीकों को बदलने का यह बेहतर अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीकाकरण की सफलता की कहानी में इन उत्पादकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने महामारी के दौरान इन उत्पादकों द्वारा दिए गए भरोसे की भी तारीफ की।

बैठक में टीका उत्पादन, उसकी क्षमता, उनसे जुड़े अनुसंधान जैसे मसलों के साथ इस बात को लेकर भी चर्चा की गई कि भारत को वैक्सीन उत्पादन में विश्व का नेतृत्व करना है और इस काम में सरकार और उद्योग जगत की क्या-क्या भूमिका हो सकती है। वहीं, अन्य टीके की तरह भारत कैसे कोरोना टीका के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बन सकता है और उसकी कीमत भी दुनिया में सबसे कम हो। इस मौके स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया, भारत बायोटेक, रेड्डी लेबोरेटरीज, जायडस कैडिला, बायोलाजिकल ई, जेनोवा बायोफार्मा और पैनेसिया बायोटेक के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन और सरकार के सहयोग की बदौलत हमने टीकाकरण में 100 करोड़ के आंकड़े को छुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के साथ बैठक में वैक्सीन के उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी के साथ भविष्य में इस प्रकार की महामारी के लिए तैयार रहने के उपायों पर चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में इन दिनों वैक्सीन उत्पादन में निवेश हो रहा है, लेकिन भारत को वैक्सीन उत्पादन में दुनिया का नेतृत्व करना है और इस काम में सरकार और उद्योग की भूमिका को लेकर चर्चा की गई। जाइडस के चेयरमैन पंकज पटेल ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार पूरी तरह से उनके साथ है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन की वजह से भारत टीका उत्पादन में इस प्रकार के बड़े लक्ष्य को हासिल कर सका है। खासकर संयुक्त राष्ट्र में भारत के टीकाकरण के जिक्र से देश के वैज्ञानिकों का हौसला काफी बढ़ा है। उद्योग जगत ने प्रधानमंत्री को भरोसा दिया कि अन्य टीकों की तरह कोरोना टीके के उत्पादन में भी भारत पूरी तरह से आत्मनिर्भर होगा और भारत में बनने वाले टीके सबसे सस्ते भी होंगे। भारत ने गत 21 अक्टूबर को 100 करोड़ टीका देने का लक्ष्य हासिल किया था।

टैबलेट, स्मार्टफोन बांटेगी योगी सरकार

लखनऊ,(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सुल्तानपुर जिले के इसौली विधानसभा क्षेत्र में 271 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने जिले में 46.33 करोड़ रुपए की लागत की 126 अन्य विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। योगी ने अंबेडकर नगर में भी 334.24 करोड़ रुपए की 99 विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सुल्तानपुर जिले के इसौली विधानसभा क्षेत्र में 271 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का शिलान्यास किया।

लखनऊ में जारी सरकारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी ने सुल्तानपुर मे शनिवार को घोषणा की कि राज्य सरकार नवंबर के अंत में उत्तर प्रदेश के युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण शुरू करेगी। शिलान्यास और लोकार्पण के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास हुआ है, वह दीपावली का उपहार है। उन्होंने कहा, रामराज्य की स्थापना के लिए राम का अयोध्या आगमन हुआ था, इसलिए हम मेडिकल कॉलेज का उपहार देने आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बिना किसी भेदभाव के राज्य के प्रत्एक युवा को रोजगार देने के लिए काम कर रही है।

किसानों का कर्ज माफ करने के साथ 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी : प्रियंका गांधी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराने के प्रयास में लगी कांग्रेस ने शनिवार को प्रदेश के तीन जिलों से कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा को रवाना किया। नौ दिनी यह तीनों यात्राएं 27 जिलों में पहुंचेंगी। बाराबंकी में प्रतिज्ञा यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बड़ी घोषणएं भी कीं।

बाराबंकी के तमरसेपुर ग्राम में कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा को रवाना करने से पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर पार्टी की प्राथमिकता की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि 2022 में हमारी पार्टी की सरकार बनने पर किसानों का सारा कर्ज माफ कर दिया जाएगा। इसके साथ ही 20 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी जाएगी। कांग्रेस विधानसभा चुनाव में महिलाओं के लिए 40 प्रतिशत सीट आरक्षित कर चुकी है। इसके साथ ही इंटर पास छात्राओ को स्मार्ट फोन तथा स्नातक छात्राओं को इलेक्ट्रानिक स्कूटी दी जाएगी। कांग्रेस की सरकार बनने पर गेहूं व धान का समर्थन मूल्य 2500-2500 रुपया तथा गन्ना का 400 रुपया प्रति क्विंटल रखा जाएगा। इसके साथ सरकार बनने पर गरीबों को 25-25 हजार रुपए की मदद और सबका बिजली बिल हाफ तथा कोरोना काल का बिल माफ होगा।

प्रियंका गांधी ने इन घोषणाओं के बाद कहा कि हम तो किसानों के हितैषी हैं। यूपी में हाल ही में लखीमपुर खीरी में क्रूरता से किसानों को कुचलकर मारा गया है। यह ऐसा हादसा है जिससे पूरे देश को समझ आ रहा है कि यह सरकार किसानों का कैसे भला कर रही है। जिसने किसानों को कुचला उस को पकडने में सरकार ने कितनी देरी लगाई, आज तक उसका पिता मोदी जी की सरकार में मंत्री है। यह तो इनके काम की एक मिसाल है।

प्रियंका ने कहा कि उत्तर प्रदेश के किसान जानते हैं कि वह लोग कितने सालों से समस्याओं से जूझ रहे हैं। यह तो सब जानते हैं कि कांग्रेस ने पहले भी किसानों के 72 हजार करोड़ रुपये के कर्ज माफ किए थे। भाजपा के शासन में यूरिया और खाद महंगी हो गई है। बिजली का बिल बढ रहा है। आप कर्ज में डूब रहे हैं इसलिए हमने कर्ज माफ करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित प्रदेश छत्तीसगढ़ में सरकार 2500 में धान खरीद रही है उसी तरह से हम यहां भी 2500 रुपये में गेंहू और धान खरीदेंगे। हम किसानों को गन्ना का दाम 400 रुपये प्रति क्विंटल देंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि महिलाओं से आग्रह है कि आगे बढ़िए और आगे बढ़कर अपनी लड़ाई लड़ें।

कश्मीर में हालात सामान्य होने का दिखावा

जम्मू (एजेंसी)।

प्रवासी कश्मीर पंडितों के एक प्रतिनिधि समूह पनुन कश्मीर ने शनिवार को कहा कि कश्मीर में हालात सामान्य होने का दिखावा करना आत्महत्या की राह पर चलने जैसा है।

कश्मीर में हाल में हत्या की घटनाओं के बाद पनुन कश्मीर ने कहा कि सामान्य स्थिति होने का नाटक करना और घाटी में स्थिति की गंभीरता को कम करना आत्महत्या के रास्ते पर चलने जैसा होगा। इस महीने घाटी में आतंकवादियों द्वारा अलग-अलग हमलों की घटनाओं में दो शिक्षकों, एक प्रमुख कश्मीरी पंडित फार्मेसी मालिक और पांच गैर-स्थानीय मजदूरों सहित ग्यारह लोग मारे गए थे।

पनुन कश्मीर के अध्यक्ष अजय चरूंगू ने संवाददाताओं से कहा, भारत सरकार को तुष्टिकरण और इच्छापूर्ण सोच के बिना जम्मू-कश्मीर की स्थिति को समझना चाहिए। जम्मू-कश्मीर में जो हो रहा है, वह कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह केवल आतंकवाद की समस्या नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जो कुछ भी हो रहा है वह जिहाद की स्पष्ट अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा, सामान्य स्थिति का ढोंग करना और स्थिति की गंभीरता को कम करना पहले ही देश को बहुत महंगा पड़ चुका है और ऐसा करना जारी रखना आत्महत्या के रास्ते पर चलने जैसा होगा। घाटी में रोजगार पैकेज के तहत नौकरी पाने वाले हजारों कश्मीरी प्रवासी पंडितों का जिक्र करते हुए, चुरूंगू ने कहा, वे पिंजरे में बंद कबूतरों की तरह हैं और हर समय खतरे में रहते हैं। जम्मू-कश्मीर में जिहादी लड़ाई को हराने और हिंदू नरसंहार को रोकने के लिए, उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा, तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा करने संबंधी घटनाक्रम ने कश्मीर को विभाजित करने के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता और तात्कालिकता पैदा कर दी है।

सीएए विरोधी आंदोलन को पुनर्जीवित किया जाएगा : अखिल गोगोई

गुवाहाटी। विधायक अखिल गोगोई ने शुक्रवार को कहा कि असम में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ आंदोलन को पुनर्जीवित किया जाएगा। नगांव में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान गोगोई ने कहा कि जब वह जेल में बन्द थे तब आंदोलन के नेताओं ने राज्य के लोगों को धोखा दिया। जेल से रिहा होने के एक दिन बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र शिवसागर जा रहे गोगोई ने कहा, अब जब मैं बाहर आ गया हूं, तो मैं लोगों को आश्वासन देना चाहता हूं कि सीएए विरोधी आंदोलन फिर शुरू होगा। किसी (अवैध) विदेशी को राज्य में रहने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

संबंध विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा...

भारत-बांग्लादेश के बीच बरसों से गहरे संबंध हैं

नई दिल्ली,(एजेंसी)।

विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने शनिवार को कहा कि बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति और समृद्धि के लिए भारत हमेशा एक साझेदार के तौर पर प्रतिबद्ध रहेगा और दोनों देशों के बीच संबंध किसी और रणनीतिक साझेदारी से अधिक गहरे हैं। श्रृंगला ने कहा, भारत-बांग्लादेश के बीच इतने सालों में संबंध परिपक्व हुए हैं, भारतीय कूटनीति के दो स्तंभ- पड़ोसी प्रथम और ऐक्ट ईस्ट - बांग्लादेश से हमारे संबंधों में दिखाई देते हैं। यहां आयोजित भारतीय वायु सेना सम्मेलन में वीडियो सम्बोधन में

भारत-बांग्लादेश संबंध किसी और रणनीतिक साझेदारी से गहरे

बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति और समृद्धि के लिए भारत हमेशा एक साझेदार के तौर पर प्रतिबद्ध रहेगा और दोनों देशों के बीच संबंध किसी और रणनीतिक साझेदारी से अधिक गहरे हैं।

उन्होंने कहा कि 50 साल पहले बांग्लादेश की स्वतंत्रता के दौरान जिन मूल्यों पर हम चले थे, आज भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध उसी क्रम में आगे बढ़ रहे हैं। मुक्तिजोद्धा (बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के सेनानी) आज भी दोनों देशों के बीच पुल का काम कर रहे हैं। दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच नियमित बातचीत हमारी साझा सुरक्षा चिंताओं को परिलक्षित करती है। भारत बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति और समृद्धि तथा उनके सामाजिक चरित्र में एक साझेदार के रूप में प्रतिबद्ध है। यह सम्मेलन में 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध में मिली जीत के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। बांग्लादेश का जन्म इस युद्ध में प्राप्त हुई विजय के बाद हुआ था। इस साल को स्वर्णिम विजय वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा विकास और व्यावसायिक साझेदार है। उन्होंने कहा कि समग्र रूप में संपर्क रखना इस साझेदारी में सबसे अहम है। आज भारत-बांग्लादेश संबंध किसी और रणनीतिक साझेदारी से अधिक गहरे हैं।

अफगानिस्तान का असर जम्मू-कश्मीर में देखने को मिल सकता है, निगरानी बहुत महत्वपूर्ण : सीडीएस जनरल रावत

गुवाहाटी । अफगानिस्तान में जो हो रहा है उसका असर जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकता है। हम इस चीच को जानते हैं। हमें इसकी तैयारी करनी होगी। अपनी सीमाओं को सील करना होगा। निगरानी बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। बाहर से कौन आ रहा है, इस पर नजर रखनी होगी। चेकिंग होनी चाहिए। यह बात चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने गुवाहाटी में कही है। उन्होंने यह बात ऐसे समय में बोली है जब जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखने को मिली। वहीं अफगानिस्तान पर गत 15 अगस्त को तालिबान ने कब्जा कर लिया था और देश संकट के दौर से गुजर रहा है। हाल के दिनों में यहां काफी आंतकी घटनाएं हुई हैं।

म्यांमार को लेकर सीडीएस जनरल रावत ने कहा कि म्यांमार में जो हो रहा है, उसके कारण हमारे व्यापार संबंध प्रभावित हो सकते हैं। वहां एक तरह का गृहयुद्ध हो रहा है। नहीं तो हमारे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। वे हम पर भरोसा करते हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं, म्यांमार चीन की ओर नहीं जाना चाहता।

इससे पहले पहला रविकांत सिंह

मेमोरियल लेक्चर देते हुए सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने शनिवार को कहा कि वैश्विक शक्ति के लिए चीन की महत्वाकांक्षाओं के कारण दक्षिण एशिया की स्थिरता को सर्वव्यापी खतरा है। उन्होंने कहा कि चीन एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए दक्षिण एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में विशाल पैठ बना रहा है। उस का म्यांमार और पाकिस्तान के साथ व्यवहार और बांग्लादेश में प्रवेश भी भारत के हित में नहीं है।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत ने इस दौरान कहा कि म्यांमार और पाकिस्तान चीन से सैन्य हार्डवेयर के सबसे बड़े प्राप्तकर्ता हैं। उन्हें चीन से वैश्विक मंचों पर समर्थन मिलता है। उन्होंने भारत-पाक संबंधों पर कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद के साथ-साथ गैर-सरकारी तत्व भारत और पाकिस्तान के बीच शांति प्रक्रिया में एक बाधा है। पाकिस्तान के साथ चीन की साझेदारी और जम्मू-कश्मीर पर उसके रुख को भारत विरोधी सांठगांठ के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

ब्रिटेन की विदेश मंत्री ने होटल ताज में 2008 आतंकी हमले के शिकार लोगों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रस ने शनिवार को मुंबई का दौरा किया। वहां विदेश मंत्री ट्रस ताज होटल गई और 2008 में हुए आतंकी हमले के शिकार लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने वहां स्मारक पर फूल भी अर्पित किए। इसके अलावा उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे से भी मुलाकात की। इस बारे में उन्होंने ट्वीट कर जानकारी दी। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ट्रस ने लिखा, 2008 आतंकी हमले में जिन लोगों की जान चली गई उनकी याद में मैंने आज मुंबई में ताज महल पैलेस होटल में फूलमाला अर्पित किया। हम उन्हें कभी नहीं भूलेंगे। दोनों देशों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ब्रिटेन और भारत एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वहीं आदित्य ठाकरे ने ट्रस के साथ मुलाकात की तस्वीरों को ट्वीट किया और बताया कि इस साल दूसरी बार वे ब्रिटेन की विदेश मंत्री से मिल रहे हैं।

नई दिल्ली से मुंबई पहुंची ट्रस ने कहा कि उनके इस भारत दौरे का मकसद ब्रिटेन की हिंद-प्रशांत रणनीति के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ मजबूत सुरक्षा और रक्षा संबंध बनाना है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और भारत के बीच घनिष्ठ रक्षा और सुरक्षा साझेदारी गहरे आर्थिक संबंधों को रेखांकित करती है ।

पेट्रोल, डीजल पर कर से वैक्सीन, मुफ्त भोजन, अन्य योजनाओं का वित्त पोषण: पुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कर की मदद से महामारी के दौरान लाखों लोगों को मुफ्त कोविड-19 वैक्सीन दी गई।

पेट्रोल और डीजल की आसमान छूती कीमतों से राहत के लिए करों में कटौती की विपक्ष दलों द्वारा मांग के बीच तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कहा कि इस कर की मदद से महामारी के दौरान लाखों लोगों को मुफ्त कोविड-19 वैक्सीन दी गई, मुफ्त भोजन और रसोई गैस का इंतजाम किया गया तथा कई अन्य सरकारी योजनाओं के वित्त पोषण किया गया।
उन्होंने कहा कि इस तरह के उपकर को कम करने की मांग अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसी है।
मंत्री ने कहा कि घरेलू दरें अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों से जुड़ी हुई हैं, जो कई कारणों से बढ़ी है, जिसे समझने की जरूरत है।
उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि यह सरल राजनीतिक कथानक हमें भारत में ही मिलता है कि कीमतें बढ़ गई हैं, आप अपने कर कम क्यों नहीं करते ... इसलिए जब भी किसी अन्य वजह से कीमतें बढ़ती हैं, कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में आप अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार लीजिए।
उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार उपभोक्ताओं पर बोझ कम करने के लिए करों में कटौती करेगी, जो पेट्रोल की कीमत का 54 प्रतिशत और डीजल की कीमत का 48 प्रतिशत से अधिक है।
उन्होंने कहा कि टीकाकरण, निशुल्क खाद्यान्न, उज्ज्वला योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं का वित्त पोषण पेट्रोलियम उत्पादों पर केंद्र द्वारा लगाए गए 32 रुपए प्रति लीटर के उत्पाद शुल्क से किया गया।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 1.492 अरब डॉलर बढ़कर 641.008 अरब डॉलर हो गया।

उद्योग ने विकास को बढ़ावा देने के लिए लेदर पार्क योजना की मांग की

नई दिल्ली। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) ने शनिवार को सरकार से उत्पादन बढ़ाने के लिए एक लेदर पार्क योजना लाने का आग्रह किया। परिषद को यह उम्मीद है कि कई बड़े ब्रांड और निर्माता, भारत से इसकी खरीद बढ़ा सकते हैं। सीएलई के अध्यक्ष संजय लीखा ने यह भी कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) का लाभ चमड़ा क्षेत्र को भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने एक में कहा बयान में कहा, एक लेदर पार्क योजना आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर सकती है। इसलिए, चमड़ा क्षेत्र को टेक्सटाइल पार्कों के लिए घोषित योजना की तर्ज पर चमड़ा पार्क योजना में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि कपड़ा और चमड़ा उद्योग के बीच पर्याप्त समानता है। निर्यात बढ़ाने के लिए, अध्यक्ष ने वेट ब्ल्यू, क्रस्ट और तैयार चमड़े पर मूल सीमा शुल्क छूट को बहाल करने का भी अनुरोध किया।
उन्होंने कहा, उद्योग की निर्यात प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, कम ब्याज दरों और लचीले पुनर्भुगतान विकल्पों के साथ अतिरिक्त ऋण दिए जाने पर विचार करना चाहिए।

श्रीलंका के शीर्ष अधिकारी ने किया खारिज

भारत से उर्वरक आयात में भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाय राजपक्षे के सचिव ने शनिवार को भारत से नैनो नाइट्रोजन तरल उर्वरक की पहली खेप आयात करने के सौदे में भ्रष्टाचार के आरोपों को खारिज कर दिया।
सिविल सेवा के प्रमुख डॉ पीबी जयसुंदेरा ने एक अखबार की उस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने भारतीय उर्वरक के लिए एक व्यक्तिगत खाते में 29 करोड़ रुपए स्थानांतरित करने के लिए दबाव डाला था। जयसुंदेरा ने रिपोर्ट को पूरी तरह से गलत, असत्य और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए पुलिस से इन आरोपों की जांच करने को कहा है, जबकि संसद में विपक्षी दलों ने इस सौदे में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। देश के कृषि सचिव प्रोफेसर उदित जयसिंघे ने कहा कि श्रीलंका को बुधवार को भारत से 31 लाख लीटर उच्च गुणवत्ता वाले गैर-हानिकारक नैनो नाइट्रोजन तरल उर्वरक की पहली खेप मिली। इससे देश के पूर्वी प्रांत को मक्का और धान की खेती में मदद मिल सके। नैनो नाइट्रोजन तरल उर्वरक का आयात मई में राष्ट्रपति राजपक्षे द्वारा रासायनिक उर्वरक आयात को रोकने के फैसले के बाद हुआ। इससे देश के कृषि जिलों में व्यापक विरोध और नाराजगी पैदा हुई। यह निर्णय मुख्य रूप से आयात के भुगतान के लिए विदेशी भंडार में अमेरिकी डॉलर की कमी के कारण हुआ था। राजपक्षे ने दावा किया था कि श्रीलंका के सालाना उर्वरक आयात पर 40 करोड़ डॉलर की लागत आती है।

विदेशी मुद्रा संकट के बीच श्रीलंका ने ईंधन खरीद को भारत से 50 करोड़ डॉलर का ऋण मांगा

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने शनिवार को कहा कि वह विदेशी मुद्रा संकट के बीच तेल की खरीद का भुगतान करने के लिए भारत से 50 करोड़ डॉलर का ऋण सुनिश्चत करने का प्रयास कर रही है। इस संबंध में ऊर्जा मंत्री उदय गम्मनपिला ने कहा, ऋण प्रस्ताव को मंजूरी के लिए वित्त विभाग को भेजा गया है। उसके बाद इसे मंत्रिमंडल को पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने पहले ही ईंधन की खरीद के लिए ओमान से 3.6 अरब डॉलर के कर्ज को मंजूरी दे दी है। गम्मनपिला ने इससे पहले एक बयान में कहा था कि विदेशी मुद्रा संकट और कच्चे तेल की उच्च वैश्विक कीमतों के बीच देश में ईंधन की मौजूदा उपलब्धता की गारंटी अगले साल जनवरी तक ही दी जा सकती है।
देश की पेट्रोलियम कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) द्वारा ईंधन की कीमतों में वृद्धि की आशंका को देखते हुए देश के कई इलाकों में बृहस्पतिवार से ही पेट्रोल पंपों पर लंबी कतरे लगी हुई हैं।

मंत्रिमंडल ने पहले ही ईंधन की खरीद के लिए ओमान से 3.6 अरब डॉलर के कर्ज को मंजूरी दे दी है।

संक्षिप्त समाचार

मिन्त्रा के सीईओ अमर नागाराम का इस्तीफा

नई दिल्ली। फैशन क्षेत्र से जुड़ी ई-कॉमर्स कंपनी मिन्त्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमर नागाराम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले तीन साल से कंपनी के प्रमुख के पद पर थे। बताया जाता है कि नागाराम अपना खुद का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने अपने कर्मचारियों को भेजे ई-मेल में कहा कि नागाराम दिसंबर अंत तक मिन्त्रा के साथ रहेंगे। उसके बाद वह कंपनी में सलाहकार की भूमिका में रहेंगे। इस ई-मेल की प्रति पीटीआई के पास भी है। कृष्णमूर्ति ने कहा, तीन साल तक मिन्त्रा की अगुवाई करने के बाद नागाराम ने फ्लिपकार्ट समूह को छोड़ने का फैसला किया है। वह खुद अपना कोई काम शुरू करना चाहते हैं। वह करीब 10 साल से समूह का हिस्सा रहे हैं। वह फ्लिपकार्ट समूह में कई नेतृत्व वाली भूमिकाओं में रहे हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का दूसरी तिमाही का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक का वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 24.7 प्रतिशत बढ़कर 6,092 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। बैंक ने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,882 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। आईसीआईसीआई बैंक ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय मामूली बढ़कर 39,484.50 करोड़ रुपए हो गई, जो 2020-21 की समान अवधि में 39,289.60 करोड़ रुपए थी। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 30 प्रतिशत बढ़कर 5,511 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 4,251 करोड़ रुपए था। एकल आधार पर तिमाही के दौरान बैंक की आय 23,651 करोड़ रुपए से बढ़कर 26,031 करोड़ रुपए हो गई। बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार दिखा। उसकी कुल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) कम होकर 30 सितंबर, 2021 तक कुल ऋण के 4.82 प्रतिशत तक रह गईं, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 5.17 प्रतिशत थीं।

इक्रा ने रामनाथ कृष्णन को प्रबंध निदेशक और समूह सीईओ नियुक्त किया

मुंबई। इक्रा ने शनिवार को रामनाथ कृष्णन को कंपनी का प्रबंध निदेशक और समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। इक्रा ने एक बयान में कहा कि कृष्णन तत्काल प्रभाव से नया प्रभार ग्रहण करेंगे, जिनके पास भारत और विदेशों में बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। वह 2020 में इक्रा में शामिल हुए थे और वर्तमान में कंपनी के अध्यक्ष (रेटिंग) और मुख्य रेटिंग अधिकारी हैं। इक्रा के गैर-कार्यकारी चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक अरुण दुग्गल ने कहा, हम कृष्णन के जोखिम, ऋण और बाजारों के गहन ज्ञान से लाभान्वित होकर प्रसन्न हैं। हम नई भूमिका में उनका स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि कंपनी में शामिल होने के बाद से उनके द्वारा प्रदर्शित मजबूत नेतृत्व गुणों के साथ उनका लंबा अनुभव उन्हें विकास के अगले चरण में नेतृत्व करने में मदद करेगा।

फिर बढ़े वाहन ईंधन के दाम, 18 माह में पेट्रोल 36 रुपए, डीजल 26.58 रुपए लीटर महंगा हुआ

नई दिल्ली। वाहन ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। शनिवार को लगातार चौथे दिन पेट्रोल और डीजल कीमतों में बढ़ोतरी हुई। पेट्रोल और डीजल दोनों के दाम 35-35 पैसे प्रति लीटर और बढ़ गए हैं। इस बढ़ोतरी के साथ मई, 2020 की शुरुआत से यानी 18 महीने से कम समय में पेट्रोल 36 रुपए लीटर महंगा हो चुका है। इस दौरान डीजल कीमतों में 26.58 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार, दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 107.24 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल 95.97 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं जिसका असर यहां भी दिख रहा है। देश के सभी प्रमुख शहरों में पेट्रोल शतक के पार जा चुका है। वहीं एक दर्जन से अधिक राज्यों में डीजल 100 रुपए प्रति लीटर से अधिक बिक रहा है। सरकार द्वारा पांच मई, 2020 को उत्पाद शुल्क को रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ाने के बाद से पेट्रोल 35.98 रुपए प्रति लीटर महंगा हुआ है।

प्याज कीमत में असाधारण तेजी नहीं, निर्यात प्रतिबंधित करने का कोई मामला नहीं: खाद्य सचिव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि खुदरा प्याज की कीमतें असाधारण रूप से उंची नहीं हैं, जिससे इसके निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की जरुरत हो। उन्होंने कहा कि कीमतों को कम करने के लिए बफर स्टॉक जारी किए जा रहे हैं। राज्य सरकारों की राय है कि आने वाले दिनों में प्याज की कीमतों में तेज वृद्धि की कोई संभावना नहीं है क्योंकि घरेलू खरीफ प्याज का उत्पादन 2021-22 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में कहीं अधिक यानी 43.88 लाख टन होने का अनुमान है जो एक साल पहले की समान अवधि में 37.38 लाख टन था। पांडेय ने कहा कि 21 अक्टूबर को प्याज की औसत कीमत 41.5 रुपए प्रति किलो थी, जो एक साल पहले की समान अवधि के 55.6 रुपए प्रति किलो से काफी कम है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमतें 48 रुपए किलो, मुंबई में 43 रुपए किलो, चेन्नई में 37 रुपए किलो और कोलकाता में 57 रुपए किलो थी। खाद्य सचिव ने संवाददाताओं से कहा, प्याज की कीमतें असाधारण रूप से अधिक नहीं हैं। औसत कीमतें पिछले साल की तुलना में कम हैं। उन्होंने कहा कि प्याज की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए बाजार में हस्तक्षेप पहले ही शुरू कर दिया गया है, लेकिन कीमतें उस स्तर के करीब कहीं भी नहीं पहुंची हैं, जिसके लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम के अनुसार तत्काल कार्वाई की आवश्यकता हो। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की योजना के बारे में पूछे जाने पर सचिव ने कहा, ऐसा कोई परिस्थिति नहीं है। निर्यात पिछले साल की तुलना में कम है। अटकल लगाने के बजाय निगरानी करना बेहतर है। उन्होंने कहा कि पहले ही बफर स्टॉक से 81,000 टन से अधिक प्याज उन बाजार में जारी किया जा चुका है, जहां कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इस पहल का मकसद प्याज की उपलब्धता में सुधार लाना और कीमतों को नियंत्रित करना है। खाद्य सचिव ने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड दो लाख टन प्याज के बफर स्टॉक में से लगभग एक लाख टन अभी भी बाजार में हस्तक्षेप के लिए उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि केंद्र आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए रियायती दरों पर राज्यों को प्याज की आपूर्ति भी कर रहा है। इसके अलावा, खरीफ प्याज का उत्पादन इस साल 7-8 लाख टन अधिक होने की उम्मीद है और इससे आने वाले दिनों में प्याज की कीमतों को और कम करने में मदद मिलेगी। खुदरा कीमतों में वृद्धि का कारण हाल ही में हुई बेमौसम बारिश है। इसके कारण महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में लगभग 0.59 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्याज की फसल को मामूली नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, हालांकि, हमने पिछले सप्ताह राज्य सरकारों के साथ चर्चा की थी।

त्योहारी मांग से लगभग सभी तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सर्दियों के साथ साथ त्योहारी मांग बढ़ने से दिल्ली मंडी में शनिवार को सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और कच्चे पामतेल (सीपीओ) सहित लगभग सभी तेल-तिलहन के भाव सुधार के साथ बंद हुए। बाकी भाव पूर्ववत बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि मंडियों में सरसों की आवक निरंतर घट रही है और दीवाली के बाद यह आवक घटकर 50-60 हजार बोरी रह जाने की संभावना है जबकि देश में दैनिक औसत मांग लगभग साढ़े तीन से चार लाख बोरी की है। खाद्य सचिव सुधांशु पांडेय ने शुक्रवार को कहा था कि सरसों तेल की कीमतों में फरवरी में अगली फसल आने के बाद ही नरमी की संभावना है। उन्होंने कहा कि खाद्य तेलों की वैश्विक कीमतों में वृद्धि के कारण सरसों तेल की कीमतों पर असर पड़ा है। सूत्रों ने खाद्य तेलों के भाव के बारे में अपना आकलन पेश करते हुए कहा कि अगर आप सोयाबीन को लें, तो इसको कांडला बंदरगाह पर आयात करने की कीमत।,470 डॉलर प्रति टन या 110 रुपए प्रति किलो बैठती है। इस पर छह रुपए प्रति किलो का आयात शुल्क, एक रुपए प्रति किलो का बंदरगाह का खर्च, चार रुपए रिफाइनिंग खर्च, छह रुपए जीएसटी को मिलाकर सोयाबीन रिफाइंड का भाव 127 रुपए किलो या 116 रुपए लीटर बैठना चाहिए। सारे खर्च और अधिकतम मुनाफा जोड़कर उपभोक्ताओं को सोयाबीन रिफाइंड 135 रुपए लीटर मिलना चाहिए। उपभोक्ताओं को सारे खर्च और मुनाफा मिलाकर खुदरा बाजार में सूरजमुखी का तेल 138 रुपए लीटर, सोयाबीन रिफाइंड लगभग 135 रुपए लीटर से अधिक भाव नहीं मिला।

कभी डकैतों का रहा था आतंक, आज यहां की 80 महिलाएं सीख रही हैं बल्ब, लाइट बनाना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

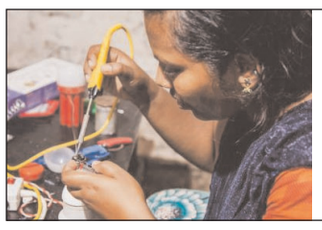

प्रोत्साहन

इससे यहां कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा।

गंगा नदी और रामगंगा के तट पर बसे गांवों की करीब 80 महिलाओं का समूह बल्ब और रोशनी वाली लाइटें बनाने का काम सीख रहा है। कभी उत्तर प्रदेश के इस इलाके में डकैतों का आतंक हुआ करता था। आज शाहजहांपुर के भारतीय उद्योग संघ की पहल पर यहां की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
जिला मजिस्ट्रेट विक्रम सिंह ने कहा कि इस पहल का मकसद ग्रामीण इलाकों की महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त करना है। इससे यहां कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। सिंह ने इस पहल को असाधारण बताते हुए कहा कि इसके जरिए हमारी चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। इससे बेरोजगार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। भारतीय उद्योग संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने पीटीआई-भाषा से कहा कि इस पहल की शुरुआत शाहजहांपुर से हुई है और अभी 80 महिलाएं इसका हिस्सा हैं। ए महिलाएं गंगा नदी और रामगंगा क्षेत्रों के गांवों से आती हैं, जहां कभी डकैतों का आतंक होता था। उन्होंने बताया कि इन महिलाओं को लखनऊके प्रशिक्षक विवेक सिंह प्रशिक्षण दे रहे हैं। अग्रवाल ने कहा, इन महिलाओं को बल्ब, दिवाली पर रोशनी वाली लाइटें बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं द्वारा उत्पादित उत्पाद बड़ी कंपनियां सीधे खरीदेंगी। कच्चा माल भी यही कंपनियां उपलब्ध कराएंगी। अग्रवाल ने कहा कि इस पहल को पूरे राज्य में कार्यान्वित किया जाएगा। उसके बाद इसका देश के अन्य राज्यों में विस्तार किया जाएगा।

नायका का आईपीओ बृहस्पतिवार को खुलेगा

नई दिल्ली। सौंदर्य और देखभाल से जुड़े उत्पाद नायका के लिए ऑनलाइन मार्केटप्लेस चलाने वाली, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 28 नवंबर को आएगा। आईपीओ के लिए कीमत दायरा।,085-।,125 रुपए प्रति शेयर रखा गया है। विवरण पुस्तिका के अनुसार आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए आवेदन एक नवंबर तक दिए जा सकेंगे। आईपीओ में 630 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम तथा प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 4.19 करोड़ शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है।
कंपनी को आईपीओ के लिए 11 अक्टूबर को सेबी की मंजूरी मिली थी।
कंपनी के इक्विटी शेयर बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध होंगे।

रबी फसलों का कुल रकबा अब तक 5 प्रतिशत बढ़कर 21.37 लाख हेक्टेयर पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चालू रबी सत्र में फसल बुवाई का कुल रकबा अभी तक पांच प्रतिशत बढ़कर 21.37 लाख हेक्टेयर हो गया है। इस वृद्धि का कारण तिलहन और मोटे अनाज की बुवाई के रकबे में हुई वृद्धि है।
रबी सत्र की फसलों की बुवाई अक्टूबर से शुरू होती है। एक साल पहले इसी अवधि में, बुवाई का यह रकबा 20.37 लाख हेक्टेयर था।
रबी की प्रमुख फसल गेहूँ की बुवाई शुरू हो गई है, लेकिन रकबा अब तक 0.001 लाख हेक्टेयर कम है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 0.07 लाख हेक्टेयर था। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि गेहूं में, केवल जम्मू- कश्मीर राज्य द्वारा 0.001 लाख हेक्टेयर के मामूली क्षेत्र में बुवाई की सूचना दी गई है। धान का रकबा 1.90 लाख हेक्टेयर रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3.12 लाख हेक्टेयर था। दलहन के मामले में इस सत्र में अब तक 3.04 लाख हेक्टेयर में बुवाई की जा चुकी है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह रकबा 4.7 लाख हेक्टेयर था। मोटे अनाज की बुवाई का रकबा 1.17 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 1.59 लाख हेक्टेयर हो गया है। तिलहन के मामले में, अब तक (22 अक्टूबर तक) लगभग 14.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की सूचना मिली है, जो एक साल पहले की अवधि में 11.31 लाख हेक्टेयर थी।

लाभ *दूरसंचार शाखा में जियो से जुड़ी डिजिटल सेवाएं शामिल हैं।*

रिलायंस इंडस्ट्रीज का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिडेट (आरआईएल) ने शुक्रवार को बताया कि सभी कारोबारों के अच्छे प्रदर्शन के चलते चालू वित्त वर्ष 2021-22 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 43 फीसदी बढ़ गया। कंपनी ने एक बयान में बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ एक साल पहले के 9,567 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 13,680 करोड़ रुपए हो गया। इस तरह कंपनी ने प्रति शेयर 20.88 रुपए का शुद्ध लाभ हासिल किया, जो एक साल पहले प्रति शेयर 14.84 रुपए था। आरआईएल ने कहा कि सितंबर तिमाही में उसकी आय 49.2 प्रतिशत बढ़कर।,91,532 करोड़ रुपए हो गई। रिलायंस चार व्यावसायिक क्षेत्रों में सक्रिय है- तेल-रसायन (या ओ2सी), खुदरा व्यापार, दूरसंचार शाखा और नवीन ऊर्जा व्यवसाय। ओ2सी में इसकी तेल रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल संयंत्र और ईंधन खुदरा व्यवसाय शामिल हैं। खुदरा व्यापार में खुदरा स्टोर और ई-कॉमर्स शामिल हैं। दूरसंचार शाखा में जियो से जुड़ी डिजिटल सेवाएं शामिल हैं। ओ2सी में लगातार पांचवीं तिमाही के दौरान मांग में क्रमिक वृद्धि देखने को मिली। इसका तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कर पूर्व लाभ (ईबीआईटीडीए) चार प्रतिशत बढ़कर और सालाना आधार पर 43.9 प्रतिशत बढ़कर 12,720

करोड़ रुपए हो गया। रिलायंस रिटेल का कर पूर्व ईबीआईटीडीए 45.2 प्रतिशत बढ़कर 2,913 करोड़ रुपए हो गया। बयान के मुताबिक जियो प्लेटफार्म्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 23.48 प्रतिशत उछलकर 3,728 करोड़ रुपए रहा। आरआईएल की जियो प्लेटफार्म्स इकाई में दूरसंचार कंपनी जियो और ऐप शामिल हैं। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 की इसी तिमाही में जियो प्लेटफार्म्स को 3,019 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की सकल आय सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही में करीब सात प्रतिशत बढ़कर 23,222 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 21,708 करोड़ रुपए थी। इंटरकेनेक्ट उपयोग शुल्क के लिए समायोजन के साथ जियो प्लेटफार्म्स की सकल आय चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 15.2 प्रतिशत बढ़कर 23,222 करोड़ रुपए रही। रिलायंस का पूंजीगत व्यय (विनिमय दर अंतर सहित) 30 सितंबर 2021 को समाप्त तिमाही के लिए 39,350 करोड़ रुपए था। रिलायंस ने कहा कि वह दिवाली के आसपास बाजार में आने वाले किफायती स्मार्टफोन जियोफोन नेक्स्ट की पेशकश के लिए गूगल के साथ काम कर रही है। आरआईएल के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, रिलायंस ने वित्त वर्ष 2021-22 की दूसरी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। यह हमारे व्यवसायों की अंतर्निहित ताकत और भारतीय तथा वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की मजबूती को दर्शाता है। हमारे सभी व्यवसायों ने कोविड से पहले के स्तरों से आगे वृद्धि की है। हमारा वित्तीय प्रदर्शन खुदरा खंड में तेज सुधार और तेल-रसायन और डिजिटल सेवा कारोबार में लगातार वृद्धि को दर्शाता है।

रिलायंस रिटेल ने तिमाही में खोले नए 813 स्टोर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल के देशभर में 13,635 स्टोर्स हो गए हैं, जो 3 करोड़ 73 लाख वर्ग फुट में फैले हुए हैं। खास बात यह है कि इनमें से 813 स्टोर्स सितंबर तिमाही में ही खोले गए हैं। शुक्रवार को जारी रिजल्ट्स के मुताबिक रिलायंस रिटेल की बिक्री में जबर्दस्त तेजी देखने को मिली, बिक्री के आंकड़ें कोविड पूर्व के आंकड़ों से आगे निकल गए। कंपनी का सकल राजस्व पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले दूसरी तिमाही में 10.5 प्रतिशत बढ़कर 45,426 करोड़ रू जा पहुंचा। शुद्ध लाभ भी 74.2 फीसदी का इजाफा देखने को मिला। अब यह 1695 करोड़ रू हो गया है। स्टोर्स के साथ रिलायंस रिटेल ने गोदामों और आपूर्ति चेन को भी मजबूत किया है। कंपनी ने 25 लाख वर्गफुट में फैले 86 नए गोदामों और आपूर्ति केंद्रों की स्थापना की है। कंपनी ने बयान में कहा कि जैसे-जैसे कोविड प्रतिबंधों में ढील दी गई और बिजनेस तेजी की आशा बंधी, कंपनी ने स्टोर्स और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर जोर देना शुरू कर दिया। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि मुझे आपको ये बताते हुए खुशी हो रही है कि रिलायंस ने वित्त वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही में मज़बूत प्रदर्शन किया है। भौतिक स्टोर्स और डिजिटल ऑफ़र्स, दोनों की वजह हुए तेज़ विस्तार के दम पर रिलायंस रिटेल लगातार आगे बढ़ रहा है।

दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही भाजपा : आतिशी

डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर आतिशी ने भाजपा पर बोला हमला

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि दिल्ली की जनता के स्वास्थ्य से भाजपा खिलवाड़ कर रही है। भाजपा की उत्तरी नगर निगम के पास डेंगू से लड़ने वाली दवाइयां ही नहीं हैं। उत्तरी नगर निगम ने इस साल 7 में से 6 दवाइयां अभी तक नहीं खरीदी हैं, न ही खरीदने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है, जबकि डेंगू का प्रकोप इन दिनों बढ़ा है। एमसीडी के दस्तावेज ने भाजपा की पोल खोली है। जिससे पता चलता है कि एमसीडी के पास डेंगू-मलेरिया के खिलाफ लड़ने के लिए दवाई नहीं हैं। उन्होंने सवाल पूछा कि भाजपा की दिल्ली वालों से क्या दुश्मनी है? क्यों दिल्ली वालों के स्वास्थ्य के साथ भाजपा खिलवाड़ कर रही है? आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और विधायक आतिशी ने शनिवार को प्रेस वार्ता को संबोधित किया। आतिशी ने कहा कि एमसीडी डेंगू को नियंत्रत करने में नाकाम रही है। एमसीडी का डेंगू नियंत्रण बहुत बुरे हाल में है। पहली बात एमसीडी के एंटी मलेरिया विभाग में 70 फीसदी वैकेंसी खाली हैं। जिन लोगों को घर-घर जाकर डेंगू और मलेरिया की जांच करनी है और दवाई डालनी है, वो नहीं हैं।

भाजपा की उत्तरी नगर निगम के पास डेंगू से लड़ने वाली दवाइयां ही नहीं हैं : आतिशी

डेंगू से निपटने के लिए दिल्ली सरकार के पास पर्याप्त इंतजाम नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते डेंगू के मामलों पर राजनीति होने लगी है दिल्ली कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए दिल्लीवासियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। दिल्ली कांग्रेस के मुताबिक, दिल्ली में डेंगू से हालात खराब है, अस्पतालों में डेंगू मरीजों के बेड़ की समस्या कोविड-19 महामारी की भांति उत्पन्न हो रही है, जबकि दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री का कहना कि अस्पतालों में बेड की कोई कमी नहीं है और डेंगू से स्थिति नियंत्रण में है। दिल्ली कांग्रेस नेता अनिल भारद्वाज ने कहा कि, वास्तविकता में डेंगू के मामलों से निगम और दिल्ली सरकार के अस्पताल के बेड फुल होने के बाद 1 बेड पर 2-3 मरीज इलाज करा रहे हैं। दिल्ली सरकार और भाजपा शासित निगम अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करके दिल्लीवासियों को गुमराह करने की बजाय स्वास्थ्य सेवाओं को दुरस्त करने पर ध्यान देकर दिल्ली को डेंगू से बचाए। दिल्ली डेंगू से प्रभावित है परंतु केजरीवाल सरकार ने केंद्र सरकार से केवल 700 डेंगू टेस्ट्रिग किट की मांग की है। आपातकाल में अस्पतालों में 70 प्रतिशत मरीज डेंगू के लक्षण वाले पहुंच रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि, डेंगू टेस्ट्रिग किट की कमी के कारण जब टेस्ट नहीं होंगे तो डेंगू के मामले कैसे सामने आऐंगे, डाक्टर केवल लक्षणों के आधार पर इलाज करने को मजबूर हैं।

गुरुद्वारों के फंड का दुरुपयोग बंद हो : सरना

नई दिल्ली, (विवेक राय)। दिल्ली हाईकोर्ट ने डीएसजीएमसी प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा के निष्कासन में मामले में सुनवाई करते हुए निर्णय की तारीख अगले महीने दी है। ज्ञात हो कि शिरोमणि अकाली दल, दिल्ली प्रमुख मनजिंदर सिंह सिरसा को बीते डीएसजीएमसी चुनावों में अपने पंजाबी बाग वार्ड में हरविंदर सिंह सरना से करारी

शिकस्त मिली थी। तदुपरांत, पूर्व गुरूद्वारा कमिटी प्रमुख सिरसा ने एसजीपीसी के सीट से बैकडोर एंट्री की थी। लेकिन डीएसजीएमसी द्वारा आयोजित गुरुमुखी टेस्ट में फेल हो गए। अब मामला कोर्ट में जा पहुंचा है,जहां सुनवाई की पेंडुलम सिरसा के ऊपर घूम रही है। इस पूरे मामले में शिअदद, महसचिव हरविंदर सिंह सरना ने प्रतिक्रिया दी।

सरना के अनुसार कोर्ट की तारीख आगे बढ़ने से दिल्ली गुरूद्वारा प्रबंधन कमिटी का बहुत नुकसान हो रहा है। सिरसा और उसके पार्टी के लोग 24 लाख रुपए से अधिक प्रतिदिन खर्च करके अपने राजनीतिक जीवन को बचाने की कोशिश रहे है। अभी दिल्ली गुरूद्वारा की नई कमिटी बननी है। बादल गुट के लोग पैसों के मामले में गड़बड़ी कर रहे हैं। सिरसा अपने सदस्यों को 5 स्टार महंगे रिसॉर्ट में ठहराया है। जिस पर करोड़ो उड़ा रहे है। यह काफी शर्मनाक है।

गौतम गंभीर ने अपने संसदीय क्षेत्र में की चौथी जन रसोई की शुरुआत

(रविशंकर तिवारी)

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी के पूर्वी दिल्ली से सांसद गौतम गंभीर द्वारा चौथी जन रसोई का शुभारंभ किया गया जिसका उद्घाटन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम एवं दिल्ली प्रदेश के संगठन महामंत्री सिद्धार्थन ने किया। इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और साथ ही कोरोना वरियर्स डॉक्टर्स व नर्सों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल, विधायक एवं प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अभय वर्मा, महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल, जिला अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, जिला महामंत्री अनिल शर्मा, यशपाल कैंतुरा एवं दीपक गाबा, सहित जिला, मंडल और वार्ड के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे। दुष्यंत गौतम ने 11 कन्याओं को भोजन कराकर कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए कहा कि प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच कोई भूखा ना सोये को भाजपा ने बखूबी साकार किया है चाहे वह कोरोना काल के दौरान हो या फिर महामारी के बाद उत्पन्न स्थिति हो। पार्टी ने हर गरीब,

मजदूर और असहाय लोगों की मदद की है। उन्होंने गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस समय जो काम केजरीवाल सरकार को करना चाहिए वह सांसद गौतम गंभीर कर कर रहे हैं। सिर्फ एक रुपए में भर पेट भोजन उपलब्ध कराकर भाजपा के जन सेवा की भावना को बनाए रखने में गौतम गंभीर ने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

यह कदम प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन कोई भूखा ना सोये पर आधारित है। सांसद गौतम गंभीर ने कहा कि यह जन रसोई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समर्पित है क्योंकि उनके जन्मदिन पर हमने प्रण लिया था कि कतार में सबसे पीछे खड़ा व्यक्ति जो सच्चाई के साथ जिना चाहता है और आगे बढ़ना चाहता है। यह जन रसोई हर उस व्यक्ति को समर्पित है जिन्होंने सम्मान के साथ खाना खाना है।

संक्षिप्त खबर

पॉजिटिविटी पर नेशनल लीडरशिप समिट आयोजित

नई दिल्ली। सकारात्मकता, रचनात्मकता और सद्भावना पर आधारित समाज के निर्माण के लिए काउंसिल ऑफ रॉयल रुट्स द्वारा दिल्ली के अंबेडकर नेशनल ऑडिटोरियम में पॉजिटिविटी पर नेशनल लीडरशिप समिट 2021 का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्घाटन मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम रिटायर्ड आईएफएस, पूर्व सचिव 'विदेश मंत्रालय, भारत सरकार', राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य डॉ.दयानेश्वर मुले के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। नेशनल लीडरशिप समिट में ली रिदम संस्था द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'पाथ टु एनालाइमेंट' आयोजन रिनी मुखर्जी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। डॉ. दयानेश्वर मुले ने इस अवसर बताया कि टीम मूवमेंट ऑफ पॉलिटिवटी सकारात्मकता पर नेशनल लीडरशिप समिट में पॉजिटिव लीडर्स के स्वागत के लिए हम बेहद उत्साहित है। पॉजिटिविटी पर नेशनल लीडरशिप समिट में हम एक ही प्लेटफार्म में सीएसआर, एसडीजी और सोशल इंपैक्ट की झलक देखने को नजर आएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं को न्याय के लिए इस्कॉन द्वारका का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। कहते हैं धर्म को सरहद की दीवारों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन बीते दिनों बांग्लादेश में धर्म की आड़ में कुछ अधर्मियों ने धर्म, नीति, न्याय व संवेदनाओं को ताक पर रख दिया। त्योहारों के माहौल में जिन अल्पसंख्यक हिंदुओं के प्रति हिंसा, क्रूरता, हत्या व तोड़फोड़ का तांडव हुआ, उसने 'मेरा देश मेरी सुरक्षा' जैसे मायनों को खो दिया। इस्कॉन मंदिर परिसर में भगवान की मूर्तियों को खंडित कर उन्हें फेंका गया, गुरुओं की तसवीरों पर प्रहार किया गया। प्रसादम ग्रहण कर रहे भक्तों के मुंह से निवाला छीन लिया, दिल दहला दिया उन भक्तों की दर्दनाक पीड़ा ने जिनका किसी से कोई वैर नहीं था। आखिर किसकी संवेदनाएं बिलकुल शून्य हो गईं, जो कत्लेआम के बाद भी उनके चेहरे पर एक टीस तक नहीं उभरी। ऐसे ही सवालों का जवाब तलाशने के लिए शनिवार को इस्कॉन वैश्विक कीर्तन के माध्यम से विरोध प्रकट किया गया। इस्कॉन द्वारका दिल्ली की ओर से प्रातः साढ़े दस बजे से यह विरोध प्रदर्शन पांच केंद्रों से आरंभ किया गया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व इस्कॉन द्वारका मंदिर की सेवा से जुड़े अर्चित प्रभु, रवि लोचन प्रभु, प्रशांत मुकुंद प्रभु, शचीपति प्रभु व अमल कृष्ण प्रभु ने किया।

रमेश बिधूड़ी ने किया मोदी सरकार सेवा केंद्र का उद्घाटन

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सांसद रमेश बिधूड़ी ने ओखला फेस वन में सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर साथ में विक्रम बिधूड़ी भाजपा प्रदेश प्रवक्ता भी मौजूद रहे। इस केंद्र के माध्यम से दक्षिणी दिल्ली के लोग केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ले पाएंगे। केंद्र सरकार द्वारा गरीबों के हित में अनेक लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही है। जानकारी के अभाव में कुछ लोग इन योजनाओं का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। यह केंद्र ऐसे लोगों के लिए बहुत ही लाभदायक साबित होगा। सेवा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सांसद रमेश बिधूड़ी ने केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की सिलसिलेवार तरीके से जानकारी दी उन्होंने विस्तार पूर्वक ई श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व योजना, प्रधानमंत्री कौशल योजना के अलावा अनके योजनाओं की लोगों को जानकारी दी। बिधूड़ी ने पत्रकारों व लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले देश की हालत बहुत ही विकट परिस्थितियों में थी।

अदालत पहुंचा मन में डर बैठाने का मामला, जज ने दिल्ली पुलिस को लगाई फटकार, कार्रवाई की दी चेतावनी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में एक व्यक्ति को कथित तौर पर झूठे मामले में फंसाने और उसे गिरफ्तार करने की धमकी देकर डराने वाले कुछ पुलिस कर्मियों को एक अदालत ने फटकार लगाई है। अदालत ने पूछा है कि उक्त पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई क्यों न की जाए? शिकायतकर्ता जाकिर का आरोप है कि दिल्ली के दयालपुर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने उसे और उसके पिता को परेशान किया और कथित तौर पर दर्ज की गई एक एफआईआर का ब्यौरा दिए बिना पूरे परिवार को गिरफ्तार करने की धमकी दी। पुलिस ने इस दावे का खंडन किया है। जाकिर की ओर से दायर याचिका के जवाब में पुलिस ने अदालत में कहा कि जाकिर ने कोई संज्ञेय अपराध नहीं किया है और उसके विरुद्ध कोई एफआईआर दर्ज नहीं है। पुलिस की ओर से कहा गया कि जाकिर के पिता को परेशान नहीं किया गया बल्कि उसे शिकायत के बारे में बताया गया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुनील चौधरी ने यह माना कि पुलिस ने सही प्रक्रिया नहीं अपनाई। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने के अधिकारियों के

आचरण से जाकिर के दिमाग में डर पैदा हो गया कि उसे गलत मामले में फंसाया जा सकता है और गिरफ्तार किया जा सकता है, इसलिए उसने अदालत का रुख किया। न्यायाधीश ने 22 अक्टूबर के आदेश में कहा कि इसलिए तथ्यों के आधार पर पुलिस थाना दयालपुर के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है कि उनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए? न्यायाधीश ने कहा कि कानून के तहत अगर एक शिकायत में संज्ञेय अपराध का उल्लेख है तो पुलिस को एफआईआर दर्ज करना और जांच करना अनिवार्य है, लेकिन पुलिस के जवाब के अनुसार, शिकायत में किसी संज्ञेय अपराध का जिक्र नहीं है। एएसजे चौधरी ने कहा, ... ऐसे मामले में अगर थाना प्रभारी को लगता है कि शिकायत पर जांच की जानी चाहिए तो उसे संबंधित अदालत से जांच की अनुमति लेनी चाहिए, लेकिन उसने ऐसी प्रक्रिया नहीं अपनाई। उल्लेखनीय है कि, जाकिर ने कहा था कि उसके पिता को दयालपुर पुलिस थाने से 14 अक्टूबर को एक कॉल आई और पुलिस थाने आने की धमकी दी गई और जब उसके पिता ने एफआईआर के बारे में पूछा तो पुलिस ने कुछ नहीं बताया।

शिकायतकर्ता ने अपने वकील के माध्यम से कहा कि पुलिस अधिकारी ने उसे और उसके पिता को अनावश्यक परेशान किया और 15 अक्टूबर को कुछ पुलिस अधिकारी उसके घर आए और पूरे परिवार को गिरफ्तार करने की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि 14 अक्टूबर को नईमुद्दीन नामक एक व्यक्ति ने जाकिर के खिलाफ झगड़े और मारपीट की शिकायत दर्ज करवाई थी। अभियोजक ने अदालत में कहा कि आवेदनकर्ता के पिता को परेशान नहीं किया गया और कोई धमकी नहीं गई बल्कि उसे उसके खिलाफ दर्ज शिकायत के बारे में बताया गया।

दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन के इस हिस्से पर रविवार को कुछ घंटों के लिए बंद रहेगी सेवाएं

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन पर विश्वविद्यालय एवं मॉडल टाउन स्टेशनों के बीच रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के कारण रविवार सुबह कुछ घंटों के लिए सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। डीएमआरसी ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। येलो लाइन सेक्शन दिल्ली के समयपुर बादली को गुरुग्राम में हुडा सिटी सेंटर से जोड़ता है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने शनिवार को ट्वीट किया, पूर्व निर्धारित रखरखाव कार्य के कारण रविवार सुबह 7:30 बजे तक मॉडल टाउन और विश्वविद्यालय के बीच मेट्रो सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। इस दौरान जीटीबी नगर स्टेशन बंद रहेगा। बाकी जगहों पर सेवाएं सामान्य रहेंगी। जीटीबी नगर मेट्रो स्टेशन विश्वविद्यालय और मॉडलटाउन के बीच पड़ता है। यह उत्तर दिल्ली के किंग्जवे कैंप के पास स्थित है। दिल्ली मेट्रो ने यह भी भी कहा कि इस अवधि के दौरान इस सेक्शन के बीच संपर्क सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त फीडर बस सेवा उपलब्ध रहेगी। डीएमआरसी के ज्यादातर कॉरिडोर पर सुबह से ही सेवाएं शुरू हो जाती हैं।

दिल्ली में यातायात प्रबंधन का पुनर्गठन- वहीं, दूसरी ओर यातायात के सुचारू प्रवाह और लोगों को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस ने दिल्ली की यातायात प्रबंधन प्रणाली का पुनर्गठन किया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर राकेश अस्थाना ने आदेश में कहा कि हम दिल्ली के नागरिकों की बढ़ती यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक पुनर्गठित यातायात प्रबंधन प्रणाली स्थापित कर रहे हैं और राजधानी में यातायात नियमन और प्रबंधन को सुगम और अधिक कुशल बनाने के लिए यातायात भार में वृद्धि के कारण जनता की असुविधा को कम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा, सड़क इंजीनियरिंग और नागरिक सेवा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आम जनता को कम से कम असुविधा के साथ शहर में यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने निम्नलिखित तरीके से पुनर्गठन किया है। आदेश में कहा गया है कि दो संयुक्त पुलिस आयुक्तों का क्षेत्राधिकार विशेष पुलिस आयुक्त जोन I और जोन II के अनुरूप होगा।

फेसबुक फ्रेंड से मिलने गुरुग्राम से नोएडा आई युवती से होटल में रेप

नोएडा। एक युवक ने फेसबुक पर एक युवती से दोस्ती कर उसे अपने प्यार के जाल में फंसा लिया। इसके बाद उसने युवती के साथ दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर 7 लाख रुपये भी वसूल लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गुरुग्राम की रहने वाली एक युवती ने नोएडा पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि वह एक निजी कंपनी में नौकरी करती है। युवती का कहना है कि कुछ समय पहले फेसबुक पर उसकी दोस्ती सागर सिंह नाम के युवक से हुई थी। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। आरोपी ने शादी का झांसा देकर युवती को अपने प्यार के जाल में फंसा लिया।

आरोप है कि सागर ने 21 अक्टूबर को युवती को नोएडा सेक्टर-121 के एक होटल में मिलने बुलाया था, जहां पर उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। साथ ही उसने युवती की अश्लील वीडियो बना ली और कुछ अश्लील फोटो भी ले लिए। आरोप है कि सागर ने वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर युवती से 7 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए थे। बदनामी के डर से युवती ने पहले तो किसी को कुछ नहीं बताया। आरोपी ने कुछ दिन बाद ही युवती को दोबारा ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इस पर युवती ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, रंगदारी मांगने, धोखाधड़ी व जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कर उसे गढ़ी गोल चक्कर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान गाजियाबाद के विजयनगर निवासी सागर सिंह के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर अलग-अलग नामों से कई आईडी बना रखी हैं। आरोपी सोशल मीडिया के माध्यम से बात करके युवतियों को अपने प्यार के जाल में फंसाता है। फिर उनकी अश्लील फोटो या वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर लाखों रुपये ऐंठता है। पुलिस ने सागर को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

सिंघु बॉर्डर पर लिंचिंग : दलित मजदूर की हत्या के आरोपी चार निहंग सिखों की पुलिस रिमांड दो दिन और बढ़ाई

नई दिल्ली/सोनीपत । हरियाणा के सोनीपत जिले की एक अदालत ने दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल के पास एक दलित मजदूर की नृशंस हत्या के आरोप में गिरफ्तार चार निहंग सिखों की पुलिस रिमांड दो दिनों के लिए बढ़ा दी है।

हरियाणा पुलिस ने सरबजीत सिंह, नारायण सिंह, गोविंदप्रीत सिंह और भगवंत सिंह को अदालत में पेश किया। सोनीपत के पुलिस उपाधीक्षक वीरेंद्र सिंह ने फोन पर बताया कि अदालत ने चारों आरोपियों की पुलिस रिमांड दो दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। सरबजीत सिंह को 16 अक्टूबर को अदालत में पेश किया गया था और उसे सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया, वहीं तीन अन्य को छह दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया था।

दलित मजदूर लखबीर सिंह की पिछले हफ्ते नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी और उसके शव को सिंघु बॉर्डर के पास एक बैरिकेड से लटका दिया गया था। उसका हाथ काट दिया था और उसके शरीर पर घाव के कई निशान थे। आरोपी निहंगों ने कहा था कि पंजाब के तरनतारन जिले के एक गांव के निवासी लखबीर को एक पवित्र पुस्तक की कथित तौर पर बेअदबी के लिए दंडित किया गया गौरतल है कि शुरुआत में निहंग सिख सरबजीत सिंह को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद में निहंग सिखों के एक प्रमुख सदस्य नारायण सिंह को अमृतसर में पकड़ा गया था। फतेहगढ़ साहिब के गोविंदप्रीत सिंह और भगवंत सिंह ने सोनीपत पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया था। हत्या की घटना के संबंध में हरियाणा पुलिस ने दो विशेष जांच दल गठित किए थे। एक एसआईटी का गठन पूरे मामले की जांच के लिए किया गया था और दूसरा एसआईटी का गठन घटना के वीडियो की जांच के लिए किया गया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थे।

हनुमान भक्त अरविंद केजरीवाल अयोध्या जाकर करेंगे राम लला के दर्शन, राम मंदिर पर उठा चुके हैं सवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिवाली से पहले अयोध्या जा रहे हैं। खुद को हनुमान भक्त बताने वाले केजरीवाल मंगलवार 26 अक्टूबर को अयोध्या जाकर राम लला के दर्शन करेंगे। हालांकि, राम मंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले वह कई बार इस पर सवाल भी उठा चुके हैं, जिसको लेकर उनकी काफी आलोचना भी हुई थी।

इससे पहले, राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन पर उन्होंने देशवासियों को बधाई भी दी थी। केजरीवाल ने तब ट्वीट कर कहा था, भगवान राम का आशीर्वाद हम पर बना रहे। उनके आशीर्वाद से हमारे देश को भुखमरी, अशिक्षा और गरीबी से मुक्ति मिले और भारत दुनिया का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बने। आने वाले समय में भारत दुनिया को दिशा दे। जय श्रीराम! जय बजरंग बली! यूपी विधानसभा चुनाव 2022 पास आते ही राजनेताओं के अयोध्े या जाने का सिलसिला तेज हो गया है। इसी क्रम में दिल्े ली के मुख्े यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी राम लला के दर्शन के लिए दिवाली से पहले 26 अक्टूबर को अयोध्े या यात्रा पर जाएंगे। केजरीवाल की इस अयोध्या यात्रा को भी अब यूपी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। इसी साल मार्च महीने में दिल्ली विधानसभा में ख्र के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान केजरीवाल ने कहा था कि वह दिल्ली में रामराज्य की अवधारणा लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर बनने जा रहा है, जब भी यह मंदिर बनकर तैयार होगा वह दिल्ली के सभी बुजुर्गों को फ्री में अयोध्या में राम मंदिर दर्शन कराने लेकर जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि मैं भगवान राम और हनुमान का भक्त हूं। हम जनता की सेवा के लिए रामराज्य की संकल्पना से प्रेरित होकर 10 सिद्धांतों का पालन करते आ रहे हैं। केजरीवाल ने कहा था कि प्रभु श्रीराम हम सबके अराध्य हैं।

आयोजन *दक्षिणी दिल्ली जिला उपायुक्त कार्यालय ने किया पिंक मैराथन का आयोजन*

नागरिकों को आज जागरूक होने की है जरूरत : डॉ.मधु तेवतिया

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट कार्यालय साकेत जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन व दिल्ली जल बोर्ड दक्षिणी जिला के द्वारा शनिवार को पिंक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें युवक-युवतियों ने भाग लिया। मैराथन का उद्देश्य था बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और जल संरक्षण, और प्लास्टिक मुक्त अभियान को बढ़ावा देना। इस मौके पर प्रमुख रुप से उपस्थित डॉ.मधु तेवतिया आईएएस, अधिकारी, भूमि एवं विकाश विभाग भारत सरकार ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डीएम अंकित चक्रवर्ती ने विचार रखे।

- **बेटियां भी आज हर स्तर पर हैं कामयाब व उनका सम्मान किया जाना चाहिए : अंकित चक्रवर्ती**
- **जल संरक्षण व महिलाओं का सम्मान करने की दिलाई शपथ**

डीएम अंकित चक्रवर्ती एसडीएम अंकित मिश्रा और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज जरूरत है नागरिकों को जागरूक होने की,बेटियां भी आज हर स्तर पर कामयाब है उनका सम्मान किया जाना चाहिए, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जल संरक्षण पर कहा कि हर नागरिक को जल की महत्वता को

समझना होगा जल ही जीवन है ओर हमारा वर्तमान और भविष्य जल पर निर्भर है। जिला मजिस्ट्रेट दक्षिणी अंकिता चक्रवर्ती ने भी पिंक मैराथन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बेटियों को सम्मान मिले और जल संरक्षण, के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाएगा, आज सैकड़ों महिलाओं ने पिंक मैराथन में भाग लेकर लोगों को जागरूक किया और शपथ भी दिलाई गई कि जल व्यर्थ नहीं जाने देंगे और महिलाओं का सम्मान करेंगे। इस समारोह में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी सतीश कुमार व अशोक कुमार ने भी जल बचाओ पर एक मधुर गीत गा कर जल के बिना जीवन नही ,बताया व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मिशन में हर सम्भव मदद देने का आह्वान किया। वहीं एसडीएम प्रतिनिधि, निधि सिरोही व सिटी मिशन मैनेजर रुकमणी के नेतृत्व में सिविल डिफेंस कर्मियों ने भी भारी संख्या में भाग लिया, उन्हें सर्टिफिकेट देकर सम्मनित किया।

दक्षिणी निगम के आयुक्त ने अधिकारियों संग की बैठक

नई दिल्ली। दक्षिणी निगम के आयुक्त ज्ञानेश भारती ने शनिवार को स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में बेहतर स्वच्छ रैंकिंग के लिए अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की।बैठक में स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 के दौरान रैंकिंग में सुधार के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण टूलकिट 2022 में उल्लेखित विभिन्न मापदंडों की समीक्षा की गई।बैठक में अतिरिक्त आयुक्त रमेश वर्मा, प्रभुख अभियंता पी सी मीणा, सभी जोन के उपायुक्त व सहायक आयुक्त, निदेशक, डैम्स विभाग, सभी अधिशासी अभियंता, अधीक्षण अभियंता व डैम्स विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि दक्षिणी निगम के प्रत्येक जोन में गीले कूड़े का निष्पादन किया जाएगा, लैंडफिल साइट पर सूखा कूड़ा कम करने के लिए मटीरीयल रिकवरी फसिलिटी की स्थापना की जाएगी, रीसाइक्लिंग के लिए 5-6 अलग-अलग श्रेणी में सूखे कचरे को अलग किया जाए। संशोधित प्लास्टिक प्रबंधन नियमों 2021 को लागू किया जाएगा। बैठक में स्वच्छ रैंकिंग में सुधार के लिए स्रोत पर ही कूड़े को अलग अलग करना,सभी जोन में कचरा उत्पादन को रोकने के लिए 3 आर के तहत 6 नई पहल जैसे की-बुक बैंक, क्रॉकरी बैंक, कलाकृतियां व पुराने टायरों, स्टील के बक्सों का पुन:उपयोग कपड़े की थैलियों का प्रचार सुनिश्चित करना, नेकी की दिवार (पुराने कपड़ों, खिलौनों का पुन:उपयोग जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

संपादकीय

चीन पर पैनी नज़र

सीमाओं पर बढ़ते चीनी सैन्य अभ्यास, पूर्वी क्षेत्र में सैनिकों की तैनाती और उकसाने वाली गतिविधियों के बाद भारत ने अपनी रक्षा तैयारियों को तेज किया है। सेना की तरफ से कहा भी गया है कि हम किसी भी आकस्मिक चुनौती का मुकाबला करने के लिये तैयार हैं। बाकायदा अरुणाचल में पूर्वी सेना कमांडर द्वारा मीडिया को दी गई जानकारी में कहा भी गया कि पड़ोसी देश को स्पष्ट संदेश है कि हम उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं और किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिये तैयार हैं। निस्संदेह कड़ाके की ठंड बढ़ने के साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चौकसी का काम बेहद चुनौतीपूर्ण हो जायेगा। लेकिन हालात उच्चतम स्तर की सतर्कता बनाये रखने की मांग करते हैं। हाल ही के दिनों में चीनी सैनिकों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर और उत्तराखंड के बाराहोती सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश चिंता बढ़ाने वाली है और सतर्कता की जरूरत बताती है, जिसका निष्कर्ष विश्व बिरादरी को बताना भी जरूरी है कि वास्तविक हमलावर कौन है जबकि बीजिंग तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करता रहा है। हालिया दौर की सैन्य वार्ता में जैसी नीयत चीन ने दिखायी, उससे विवादास्पद बिंदुओं पर गतिरोध समाप्त होने की संभावना कम ही नजर आ रही है। हालांकि भारत ने राजनयिक व सैन्य बातचीत के सभी विकल्प खुले रखते हुए गेंद चीन के पाले में डाल दी है। लेकिन उसके साथ ही चीन से लगी सीमा पर सजगता-सतर्कता भी बढ़ा दी है। हवाई चौकसी के साथ ही मानव रहित विमानों की तैनाती से चीन की करतूतों पर निगाह रखी जा रही है, जिससे रात-दिन सीमा पर विषम परिस्थितियों में चौकसी में जुटे सैनिकों का मनोबल व साथ ही दुश्मन का कारगर मुकाबला करने का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। वैसे भी अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम से लगी 1350 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा की चुनौतीपूर्ण निगरानी तकनीकी क्षमता बढ़ाये बिना संभव भी नहीं है।

वहीं दूसरी ओर सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने की रणनीति ही चीन को सामरिक बढ़त हासिल करने की कोशिश से रोक सकती है। बीते सप्ताह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अरुणाचल में सेला सुरंग के निर्माण को अंतिम रूप दिया, यह सुरंग वर्ष 2022 तक तैयार हो जायेगी। इस सुरंग का मकसद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तवांग में सैनिकों की आवाजाही तेज करना ही है। जिस तरह से सीमा पर चीन ने सैनिकों के लिये स्थायी निर्माण कर लिये हैं और जैसे वह सैन्य अभ्यास कर रहा है तो भारत कनेक्टिविटी के मामले में पीछे कैसे रह सकता है। हमारी चूक के कारण ही चीन ने वर्ष 1962 में जख्म दिये थे। उसके बाद छल करके 2020 में भी गलवान संघर्ष के कड़वे सबक दिये। अपनी सुरक्षा तैयारियों से हम कोई समझौता नहीं कर सकते। वह भी तब जबकि पिछले एक वर्ष से सीमा पर गतिरोध कायम है। चीन की नीयत में खोट का पता इस बात से पता चलता है कि पूर्वी लद्दाख में विवाद का निपटारा हुआ नहीं है और वह दूसरे इलाकों में भी तनाव बढ़ाने वाली गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। हाल ही में उसके सैनिकों ने जिस तरह सीमाओं का अतिक्रमण करने का प्रयास किया, उससे उसके नापाक इरादों का पता चलता है। सिक्किम व अरुणाचल की सीमाओं पर बढ़ती सैन्य गतिविधियां आसन्न चुनौती की ओर इशारा कर रही हैं। कहीं न कहीं चीन सीमा पर स्थायी निर्माण करके भारत पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की फिराक में है। आज का भारत 1962 के भारत से बहुत आगे निकल गया है और गलवान संघर्ष में भारतीय वीरों का करारा जवाब उसे याद रखना चाहिए। लेकिन सचेत रहने की जरूरत है। वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास चीन जिस तरह अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है, वह उसकी किसी लंबी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। चीनी सैनिकों की लगातार बढ़ती गश्त इन्हीं आशंकाओं की ओर इशारा कर रही है। तवांग में भारतीय व चीनी सैनिकों का आमना-सामना इस कड़ी का हिस्सा है।

भारत-चीन में तनातनी जारी

तमाम कूटनीतिक और रणनीतिक कोशिशों के बावजूद भारत और चीन के बीच तनाव बना रहना वाकई चिंता की बात है। पिछले वर्ष जून महीने से लेकर अभी तक सीमा पर चीन से भारत की अदावत जारी है। इस दौरान दोनों सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों की वार्ता भी बेनतीजा रही है। चीन अपनी फितरत के मुताबिक कभी पूर्वी लद्दाख़ कभी अरुणाचल प्रदेश तो कभी उत्तराखंड से लगती सीमा पर उद्दंडता से पेश आता रहता है। ताजा घटनाक्रम के तहत भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन की करतूतों के मद्देनजर विभानभेदी तोपों को तैनात किया है। आशय साफ है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनातनी चरम पर है और मोर्चाबंदी तेज हो गई है। अत्याधुनिक एल 70 विभानभेदी तोपों की तैनाती एलएसी के नजदीक पहाड़ों पर की गई है। इसके अलावा, एम-777 हावित्जर तोपों और बोफोर्स तोपों को भी सीमा पर तैनाता कर दिया गया है। इन सब हथियारों को सीमा रेखा पर रखवाए जाने का सीधा सा अर्थ यही निकलता है कि भारत और चीन के बीच शांति के लिए जो कुछ उपाय तलाशे गए; वह बेमानी सिद्ध हुए। चीन तो इस फिराक में है कि कैसे भारत को इन्हीं सब मामलों में उलझा कर रखा जाए। सर्दी शुरू होने से पहले चीन की ऐसी तैयारियों को समझना रॉकेट साइंस तो बिल्कुल नहीं है। चीन को भारतीय सैनिकों की जीवटता, निड़रता और वीरता का बखूबी भान है। वह ऐसी हरकत भारत को सिर्फ परेशान करने के लिए करता रहा है। उसे पिछले साल पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग झील इलाके में भारतीय सैनिकों ने जिस तरह से जवाब दिया, उसे वह लंबे वक्त तक याद रखेगा। दरअसल, क्वाड़ (चतुर्भुज गुट) में जिस तरह से चीन को शामिल नहीं किया गया, उसके लिए वह भारत को ही दोषी मानता है। उसकी दूसरी खीझ है कि सी-पेक में भारत के शामिल नहीं होने और उसका विरोध करने से भी चीन भारत के प्रति गलत मंशा रखता है। चीन की विस्तारवादी नीति का वैश्विक मंच पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिना नाम लिए जिक्र किया। स्वाभाविक है कि चीन को यह सब बातें चुभती होंगी कि एक मुल्क जो कभी आवाज नहीं उठाता था, आज हमसे बराबरी के स्तर पर मोर्चा ले रहा है। शायद चीन यह भूल गया है कि भारत अब बदला हुआ देश है, जिसे बिना वजह छेड़ने का अंजाम बुरा होता है।

विदेश नीति का कुशीनगर सूत्र

विदेश नीति का क्षेत्र व्यापक होता है। इसमें इतिहास, भूगोल, नेतृत्व आदि के अलावा संस्कृति संबंधी तत्व भी प्रभावी होता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय विदेश नीति को नया आयाम मिला है। उन्होंने संस्कृति को महत्वपूर्ण तत्व के रूप में प्रतिष्ठित किया है। इसके पहले संस्कृति को लेकर भारतीय नेतृत्व में संकोच का भाव रहता था। प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी ने इस परम्परा को बदला था। नरेंद्र मोदी इस पर अधिक प्रभावशाली रूप में अमल कर रहे हैं।

वे विदेशी शासकों को भगवत गीता की प्रति भेंट करते हैं। भारत आगमन पर उनमें से कई लोग मंदिर गए। अरब देशों में मंदिर बनाये गए। नरेंद्र मोदी उनके उद्घाटन में सहभागी हुए थे। जापान के प्रधानमंत्री काशी की गंगा आरती में सहभागी हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर वार्ता की थी। व्हाइट हाउस की दीपावली चर्चित हुई थी। उन्होंने बौद्ध देशों के साथ सांस्कृतिक आधार पर सहयोग बढ़ाने ईसा पूर्व छठवीं शताब्दी में गौतम बुद्ध द्वारा बौद्ध धर्म का प्रवर्तन किया गया था। उन्हें बोध गया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सारनाथ में उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया था। उनका महापरिनिर्वाण कुशीनगर में हुआ था।

केंद्र व उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार ने इन सभी स्थानों को भव्यता के साथ विकसित किया। यहां विश्व स्तरीय पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन भी इसमें शामिल है। इस समारोह में अनेक बौद्ध देशों के लोग शामिल हुए। श्रीलंका का विशेष विमान यहां उतरा। भारतीय उपमहाद्वीप के अलावा मध्य,पूर्वी और दक्षिण। पूर्वी एशिया में भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं। इनकी संख्या पचास करोड़ से अधिक है। चीन, जापान, वियतनाम, थाईलैण्ड, म्यांमार, भूटान, श्रीलंका, कम्बोडिया,मंगोलिया, लाओस,सिंगापुर,दक्षिण कोरिया एवं उत्तर कोरिया सहित तेरह देशों में बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म है। नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया,रूस,ब्रुनेई, मलेशिया आदि देशों में भी बौद्ध धर्म के अनुयायी हैं।

नरेन्द्र मोदी ने कुशीनगर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद उद्घाटन के बाद कार्यकम को सम्बोधित किया था। उन्होंने कहा कि विश्व भर के बौद्ध समाज के लिए भारत श्रद्धा और आस्था का केन्द्र है। कुशीनगर इण्टरनेशनल एयरपोर्ट की यह सुविधा उनकी श्रद्धा को समर्पित है। भगवान बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति से लेकर महापरिनिर्वाण तक की सम्पूर्ण यात्रा का साक्षी यह क्षेत्र आज सीधे दुनिया से जुड़ गया है। श्रीलंकन एयरलाइंस के विमान का कुशीनगर में उतरना इस पुण्य भूमि को नमन करने की तरह है। इसके पहले नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस पर आसियान देशों को आमंत्रित कर चुके हैं। इसमें बौद्ध सबसे बड़ा धर्म है। नरेंद्र मोदी ने एक सम्पूर्ण क्षेत्रीय संगठन मेहमान भारतीय गणतंत्र दिवस पर मेहमान बनाया था। आसियान के दस राष्ट्राध्यक्ष,गणतंत्र दिवस में मुख्य समारोह के गवाह बने थे। यह विदेश नीति का नायाब प्रयोग था। जिसे पूरी तरह सफल कहा गया थ। इसने आसियान के साथ भारत के आर्थिक, राजनीतिक, व्यापारिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रिश्तों का नया अध्याय शुरू किया था।

महत्वपूर्ण यह था कि सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के निमंत्रण को स्वीकार किया। एक्ट ईस्ट की नीति कारगर ढंग से आगे बढ़ाया गया। चीन विश्वास के लायक नहीं है। इसलिए मोदी ने आसियान देशों के साथ रिश्ते सुधारने पर बल दिया। मोदी की इस नीति से न केवल एशिया में चीन के वर्चस्ववादी रुख को धक्का लगा। इनमें से अनेक देश चीन की विस्तारवादी नीति को पसंद नहीं करते। यह बात आसियान में सामान्य सहमति का विषय है। केवल इसके लिए किसी को पहल करने की आवश्यकता थी। मोदी ने साहस के साथ पहल का ये काम किया। भारत और आसियान देशों के बीच अति प्राचीन सामाजिक व सांस्कृतिक रिश्ते रहे हैं। कई आसियान देशों में बौद्ध बहुसंख्यक हैं। सिंगापुर में तो नब्बे प्रतिशत आबादी बौद्धों की है। इसके अलावा इन सभी देशों में रामकथा व्यापक रूप से प्रचलित है। यहां के राजकीय प्रतीकों में रामायण से संबंधित चिन्ह मिलते हैं। इंडोनेशिया के मुसलमान भी रामायण संस्कृति पर विश्वास करते हैं। उन्होंने उपासना पद्धति बदली है, लेकिन अपनी सांस्कृतिक विरासत को नहीं छोड़ा। रामलीला का मंचन वहाँ बहुत लोकप्रिय है। ये सब भारत और आसियान देशों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाने वाले हैं।

एक्ट ईस्ट नीति की एक अन्य कारण से भी आवश्यकता थी। वह यह कि आसियान का विस्तार भारत के पूर्वोत्तर राज्यों की सीमा तक हो गया था। म्यांमार, कम्बोडिया,लाओस और वियतनाम आसियान के सदस्य बने थे। इससे आसियान भारत के ज्यादा करीब हो गया। स्थापना के समय भारत से इसकी सीमा दूर थी। तब इंडोनेशिया, मलेशिया,फिलीपींस, थाईलैंड, सिंगापुर इसके सदस्य थे। ब्रुनेई, वियतनाम,म्यांमार बाद में सदस्य बने थे। इसीलिए मोदी ने आसियान को लेकर नीति में बदलाव किया।

सीमा की नजदीकी देखते हुए भू और समुद्री परिवहन को प्रोत्साहन देने के प्रयास किये गए। भारत के सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के माध्यम से आपसी सहयोग बढ़ाने पर बल दिया गया। म्यांमार, थाईलैंड,भारत त्रिपक्षीय एक्सप्रेस-वे के द्वारा पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों की राजधानियां आसियान से जुड़ जाएंगी। भारत, नेपाल, बाग्लादेश, भूटान चारों को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण का कार्य जारी है। इसका भी आसियान के साथ परिवहन की दृष्टि से फायदा होगा। सभी आसियान देश आतंकवाद पर भी चिंता जाहिर करते है। इसके मुकाबले के लिए साझा रणनीति बनाने पर सहमति है। समुद्री परिवहन के नियमानुसार आजादी का विषय भी गंभीर है। चीन समुद्री क्षेत्र में नियम विरुद्ध ढंग से अपना हस्तक्षेप बढ़ा रहा है। वह कृत्रिम द्वीप और उनमें सैनिक अड्डों का निर्माण कर रहा है। इससे भी इस क्षेत्र के देशों की परेशानी बढ़ी है। ऐसे में समुद्री क्षेत्र में चीन की दबंगई के मुकाबले हेतु आसियान देश संयुक्त रूप से प्रयास करने पर सहमत हुए। यह तय हुआ कि समुद्री इलाके के न्याय संगत उपयोग के लिए साझेदारी बढ़ाई जाएगी। भारत और आसियान के कानून पर आधारित रणनीति बनाई जाएगी। आसियान में भारत का महत्व और विश्वसनीयता बढ़ी है।

प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ में कहा था कि दुनिया ने युद्ध दिया होगा, लेकिन भारत ने दुनिया को बुद्ध दिया है। जब भगवान बुद्ध की बात करते हैं, तो उत्तर प्रदेश और भारत का यह संदेश दुनिया के कोने-कोने में जाता है। भगवान बुद्ध से जुड़े सर्वाधिक स्थल उत्तर प्रदेश में हम सभी का गौरव हैं। भगवान बुद्ध की राजधानी कपिलवस्तु सारनाथ हो, उन्होंने सबसे अधिक चातुर्मास श्रावस्ती कौशाम्बी संकिसा कुशीनगर भी उत्तर प्रदेश में है। बौद्ध सर्किट की यह परिकल्पना को साकार हो रही है। बौद्ध सर्किट न केवल सड़क मार्ग बल्कि वायु मार्ग से भी जुड़ गया है। इसी क्रम में, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान सरकार के पहले तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे। यह लखनऊ तथा वाराणसी में था। प्रदेश की कनेक्टिविटी भी उस समय करीब पंद्रह स्थानों के लिये थी। आज कुशीनगर प्रदेश का नौवां फंक्शनल एयरपोर्ट है। अब उत्तर प्रदेश पचहत्तर गंतव्य स्थानों पर वायु सेवा के साथ सीधे जुड़ चुका है। कुशीनगर प्रदेश का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

> वर्तमान सरकार के पहले तक उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे। यह लखनऊ तथा वाराणसी में था। प्रदेश की कनेक्टिविटी भी उस समय करीब पंद्रह स्थानों के लिये थी। आज कुशीनगर प्रदेश का नौवां फंक्शनल एयरपोर्ट है। अब उत्तर प्रदेश पचहत्तर गंतव्य स्थानों पर वायु सेवा के साथ सीधे जुड़ चुका है। कुशीनगर प्रदेश का तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

आलेख

दुख और सुख का समाहार है अतीत

अतीत की नींव पर वर्तमान का महल खड़ा होता है लेकिन नींव दिखती नहीं है। नींव को देखने की किसी की इच्छा भी नहीं होती। नींव को देखने की हसरत पूरी करनी हो तो महल का मोह त्यागना होता है। उसे गिराए बिना,ध्वस्त किया बिना नींव की ईंट के दीदार संभव नहीं है। गौरवशाली अतीत जहां सुख देता है, वहीं अतीत का प्रभाव दुख देता है। अतीत सही मायने में सुख और दुख का समाहार है। राजनीतिक बुलंदियों और प्रभाव को भी इस आलोक में देखा समझा जा सकता है। जहां तक खुद की महानता और अच्छे होने का सवाल है तो यह काम व्यक्ति के कर्म स्वत: तय कर देते हैं।

इन दिनों राजनीति की कब्र से गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं। एक ओर तो देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग इसके औचित्य पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसा करने के बहाने तलाश रहे हैं। कोई खुद के पूर्णकालिक अध्यक्ष होने का दावा कर रहा है तो कोई बिना किसी परिवारवादी राजनीति के सियासत के चरम तक पहुंचने को जनता जनार्दन का आशीर्वाद मान रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो यहां तक कहा है कि हमें राष्ट्र के विभाजन की पीड़ा को भूलना नहीं चाहिए। इसके बाद तो भाजपा की राजनीति में ऐसा सोचने और कहने वालों की बाढ़ आ गई है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वीर सावरकर की राष्ट्र भक्ति की जहां चर्चा की, वहीं कांग्रेस उनकी आलोचना पर उतर आई है। इसमें शक नहीं कि देश की आजादी के लिए बीडी सावरकर ने जितनी जेल यातनाएं सहीं, उतनी शायद ही किसी क्रांतिवीर ने सही होगी। अंग्रेजों ने उन्हें दो बार उम्रकैद की सजा दी। उनके नाखून तक उतार लिए। इसके बाद भी कांग्रेस उन्हें वीर मानने को तैयार नहीं। वह उन्हें कायर करार दे रही है। रिहा करने का आवेदन तो तमाम कांग्रेसियों ने किया था लेकिन उन पर तो कभी सवाल नहीं उठे।

सावरकर मन से हिन्दू थे, शायद यह बात कांग्रेस हजम नहीं कर पाई। संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस बात में दम है कि आजादी की बाद से ही सावरकर की छवि बिगाड़ने का षड्यंत्र किया गया। इसके बाद से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। असदुद्दीन ओवैसी जैसे नेता तो यहां तक कहने लगे हैं कि भाजपा महात्मा गांधी की जगह सावरकर को राष्ट्रपिता बनाना चाहती है। इसे बौद्धिक दिवालियापन नहीं तो और क्या कहा जाएगा ? राजनीतिक संकीर्णता का यह आलम उचित तो नहीं है। इसमें संदेह नहीं कि जिस सुभाष चंद्र बोस के हवाले से कांग्रेस सावरकर को घेर रही है, उन नेताजी सुभाष चंद्र बोस और लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को कांग्रेस में वह हक और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगर यह कह रहे हैं कि अंडमान-निकोबार को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का तीर्थ घोषित किया जाना चाहिए क्योंकि यहां देश के तमाम स्वतंत्रता सेनानियों ने काला पानी की सजा भुगती है। अंडमान निकोबार में 299 करोड़ की 14 परियोजनाओं का उद्घाटन और 683 करोड़ की 12 परियोजनाओं का शिलान्यास कर, उद्घाटित पुल का नाम आजाद हिंद फौज रखने की इच्छा जाहिर कर मोदी सरकार ने महापुरुषों के प्रति जो सम्मान भाव प्रकट किया है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। सरकार को पता है कि सुई का काम तलवार नहीं कर सकती। देश केवल बड़े काम से समृद्ध नहीं होता। छोटे-छोटे काम भी देश को आगे बढ़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि छोटे- छोटे व्यक्तिगत संकल्प देश में आमूल-चूल परिवर्तन लाने में बहुत मददगार साबित होते हैं। सभी भारतीयों को छोटे-छोटे व्यक्तिगत संकल्प लेने चाहिए जैसे कि कभी भी यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं करना है या भोजन की बर्बादी नहीं करनी है।

अमित शाह अगर यह कह रहे हैं कि कांग्रेस ने दशकों के अपने शासन के दौरान अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के लिए कुछ नहीं किया। इस बात पर कांग्रेस को गौर करना चाहिए था। यह सच है कि चुनाव सिर पर हो तो आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो जाता है। हर दल खुद को जन सापेक्ष, लोकहितकारी साबित करने में जुट जाता है। हर दल का दावा होता है कि देश को विकास और यश-प्रतिष्ठा के शिखर पर वही ले जा सकता है। वही उसे महान बना सकता है।

देश महान बनता है और तरक्की करता है तो सबके सहयोग से । चंद लोगों की समृद्धि ही देश की तरक्की का मानक नहीं हो सकती। सबके विकास में ही देश का विकास निहित है। इसलिए सबका साथ पाना और सबका विश्वास जीतना जरूरी है लेकिन देश के मौजूदा राजनीतिक राग तो इस बात की प्रतीति नहीं दिलाते कि हम इस ओर बढ़ भी रहे हैं।

परिधि/ विशाल तिवारी

जज्बे की नहीं होती उम्र

अंग्रेजी में एक कहावत है-उम्र सिर्फ एक संख्या भर नहीं होती, यह जीने का फलसफा है। जिंदादिली असल मायनों में इसकी परिभाषा है। वो अलग बात है कि इसे कम ही लोग परिभाषित कर पाते हैं, मगर ब्रिटेन की महारानी ने इसे चरितार्थ किया है। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने यह कहते हुए 'ओल्ड़ी ऑफ द ईयर' का पुरस्कार लेने से मना कर दिया कि 'जब आप महसूस करते हैं तभी आप वृद्ध होते हैं।' उनकी बात सोलह आने सही है।

बता दें कि एलिजाबेथ फिलहाल 95 वर्ष की हैं। औसतन दुनिया में 60 वर्ष की उम्र के बाद व्यक्ति को वरिष्ठ नागरिक मान लिया जाता है। वैसे व्यक्ति की क्षमतानुसार सेवा विस्तार भी दिया जाता है। आज जब दुनिया में एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है, वरिष्ठ नागरिकों के लिए रिटायरमेंट के बाद दुनिया बहुत सहज नहीं रह जाती। अकेलेपन से उपजी निराशा व्यक्ति को वक्त से पहले बूढ़ा कर देती है। ऐसे में एलिजाबेथ की सोच जिंदादिली को व्यापक अर्थ देती है। खासकर जब कोरोना जैसी महामारी का सामना कर रही मानवता का एक हिस्सा अवसाद से जूझ रहा है। विशेषकर वयोवृद्ध तबके के लिए चुनौतियां और बढ़ॅ गई हैं। रिटायरमेंट के बाद या शरीर जब काम करना बंद कर देता है तो बड़ा सवाल व्यक्ति की व्यस्तता का होता है। जो लोग व्यस्त होने की वजह तलाश लेते हैं; उनके लिए तो जिंदगी आसान हो जाती है।' इससे इतर एक तबके के लिए जिंदगी बोझ सी लगने लग जाती है। उनके लिए समय काटना दुरूह होता है। गांवों और छोटे शहरों के संयुक्त परिवारों में तो फिर भी व्यक्ति किसी न किसी बहाने सक्रिय रहता है। बड़े शहरों और महानगरों में एकल जीवन संस्कृति ने वृद्ध आश्रम की संख्या को बढ़ावा दिया है। एलिजाबेथ-जो उम्र की लगभग सदी पूरी करने वाली हैं-का बयान एक बड़े वर्ग के लिए प्रेरणा है जो यह 60 के बाद जिंदगी को सिर्फ 'काटने' की मुद्रा में रहता है। साथ में उनके लिए भी जो अवसाद से घिर जाते हैं। वैसे यह तर्क भी दिया जा सकता है कि महारानी के पास किस चीज की कमी है? ठीक है जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण में निजी वैभव का योगदान हो सकता हैग लेकिन अमीरी जिंदगी के दर्शन को एक हद तक प्रभावित कर सकती हैग समग्रता में हमारा नजरिया ही चीजों को तय करता है।

सैटेलाइट इंटरनेट

फायदे और संभावनाएं

हमारे देश में अंतरिक्ष कार्यक्रम प्रत्यक्ष तौर पर बढ़ रहे हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र की कई कंपनियां अंतरिक्ष में उपलब्ध संभावनाओं का इस्तेमाल करते हुए भारतीय उपभोक्ताओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम कर रही हैं। उदाहरण के लिएग इसरो अंतरिक्ष में यात्रियों को ले जाने वाले महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन में निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहा है । पिछले महीने भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्रों में काम करने की इच्छुक कंपनियों की मदद के लिए सिंगल विंडो नोडल एजेंसी के रूप में इन-स्पेस की स्थापना को मंजूरी दी है। यह भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र को व्यवसाय के लिए अनुकूल बनाने की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सैटेलाइट इंटरनेट भी अंतरिक्ष पर आधारित एक अहम व्यवसाय हैग और कई वैश्विक कंपनियां इस व्यवसाय में दिलचस्पी भी दिखा रही हैं।

हमारे देश के अधिकांश शहरी क्षेत्र में इंटरनेट पहुंच चुका हैग और धीरे-धीरे उपनगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट पहुंचाने की योजना पर काम चल रहा हैग लेकिन दूर-दराज के कुछ ऐसे भी पर्वतीयग पहाड़ीग तटीय और द्वीपीय क्षेत्र हैंग जहां इंटरनेट को ले जाना आसान नहीं है। सामान्य भौगोलिक क्षेत्र में प्रभावी होने के साथ ही सैटेलाइट इंटरनेट, सुदूर और भौगोलिक तौर पर कठिन क्षेत्रों में इंटरनेट पहुंचाने के लिए प्रभावी विकल्प बनकर उभरा है। सैटेलाइट इंटरनेट एक प्रकार का कनेक्शन हैग जो सैटेलाइट से इंटरनेट सिग्नल प्राप्त करता है। सैटेलाइट इंटरनेट पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले कृत्रिम सैटेलाइट के साथ संचार करने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करता है। डेटा को भेजने और पुनर्प्राप्त करने के लिए एक विशेष संचार नेटवर्क का उपयोग किया जाता है। इंटरनेट सेवा प्रदाता (आईएसपी) अंतरिक्ष में स्थित उपग्रह को फाइबर इंटरनेट सिग्नल भेजता है। इंटरनेट सिग्नल सैटेलाइट डिश की तरफ आता है, और सैटेलाइट डिश उस सिग्नल को पकड़ लेता है। सैटेलाइट डिश मॉडेम से जुड़ा है, जो कंप्यूटर को इंटरनेट सिग्नल से जोड़ता है।

सैटेलाइट इंटरनेट को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां हैं, जिनको समझ लेना जरूरी है। लोगों को लगता है कि यह बहुत धीमा होता है, और संचार में ज्यादा समय लगता हैग लेकिन यह सच नहीं है। सैटेलाइट इंटरनेट केबल या अन्य ब्रॉडबैंड सेवाओं जैसा ही तेज है, तकनीकी उन्नति से 100 एमबी प्रति सेकेंड की गति प्राप्त की जा चुकी है, जिसको 1 जीबी प्रति सेकेंड तक बढ़ाने की बात चल रही है। सैटेलाइट इंटरनेट से देश के ग्रामीण और सुदूर इलाकों में डायल अप से तेज इंटरनेट की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सैटेलाइट इंटरनेट को लगाना और शुरू करना अन्य इंटरनेट माध्यमों से आसान है, और वायरलेस होने के कारण अन्य माध्यमों की अपेक्षा नेटवर्क विच्छेद की संभावना बहुत कम होती है। अभी सारी बड़ी सेवा प्रदाता कंपनियां इस बाजार पर नियंत्रण की होड़ में हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में त्वरित नवीनीकरण होंगे और सेवाएं सुगम बनेंगी। प्रतिस्पर्धा और नवीनीकरण से आम उपभोक्ताओं को फायदा तो होता ही है। भारतीय सैटेलाइट इंटरनेट बाजार में एयरटेल के सुनील मित्तल और रिलायंस जिओ के मुकेश अंबानी को विश्व के बड़े व्यापारी एलन मस्क और जेफ बेजोस टक्कर देने की तैयारी कर रहे हैं। फिलहाल, सुनील मित्तल के भारती ग्लोबल की नियंत्रण वाली वनवेब को टेलकॉम मंत्रालय से लाइसेंस मिल चुका है। कंपनी 1 गीगा बाइट और उससे अधिक प्रति सेकेंड की गति से इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए पृथ्वी के निम्न कक्षा में सैटेलाइट डालने की योजना बना रही है।

ये सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 600 मील की दूरी पर अवस्थित होंगे। अभी कुछ सप्ताह पहले ही वनवेब और अमेरिकन ह्यूज नेटवर्क ने एक रणनीतिक समझौता किया है, जिसके तहत दोनों कंपनियां मिलकर देश के ग्रामीण और दूरदराज के हिस्सों के बड़े, मझोले, और छोटे व्यवसायों सरकारी क्षेत्र, इंटरनेट सेवा प्रदाता एवं टेल्को को इंटरनेट सेवाएं प्रदान करेंगी। एलन मस्क ने भी घोषणा की है, वह अपने महत्वाकांक्षी स्टारलिंक प्रोजेक्ट को भारत में लाना चाहते हैं। उनकी कंपनी भारत के सरकारी नियम-कानूनों का अध्ययन कर रही है। मस्क की कंपनी स्पेसेक्स ने भारत में संजीव भार्गव को कंपनी का निदेशक भी नियुक्त कर दिया है। देश के सबसे बड़ा खुदरा विक्रेता अमेजन भी अपने प्रोजेक्ट कुइपर के साथ सैटेलाइट इंटरनेट व्यवसाय में हिस्सा लेना चाहता है। इससे अमेजन का खुदरा व्यवसाय सुदूर गांवों तक पहुंचेगा, और कुल उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर सैटेलाइट इंटरनेट व्यवसाय में अभी भरपूर सम्भावनाएं हैं, और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका दीर्घकालिक असर दिखेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पोस्टर व बैनर भूल अब व्हाट्सएप पर राम-राम कर रहे नेताजी

दरभंगा । प्रखंडों में पंचायत चुनाव के दौरान गांवों की गलियां पोस्टर- बैनर से पट जाती थीं। अब वक्त के साथ चुनाव प्रचार का तरीका भी बदल गया है। इस बार प्रत्याशी प्रचार के लिए इंटरनेट मीडिया को हथियार बनाएं हैं। प्रत्याशी फेसबुक-व्हाट्सएप से प्रचार करने पर जोर दे रहे हैं। व्हाट्सएप पर सुबह-शाम अभिवादन कर मतदाताओं को लुभाया जा रहा है। इसके लिए वार्ड संख्या के अनुसार ग्रुप बनाया गया है। मुखिया पद के एक प्रत्याशी ने बताया कि अब गांव-देहात में हर किसी के पास मोबाइल है। ऐसे में प्रचार का इससे अछा दूसरा कोई विकल्प नहीं हो सकता। क्षेत्र के पंचायत सदस्य के एक प्रत्याशी बोले इससे पोस्टर-बैनर का खर्च भी बच रहा है। हालांकि इस बदली हुई चुनाव प्रचार की शैली से प्रिटिंग प्रेस संचालकों को झटका लगा है। प्रिंटिंग प्रेस से जुड़े अधीर झा, रमण प्रसाद , प्रमोद चौधरी आदि ने बताया कि चुनावी सीजन का कारोबार तकरीबन 35 से 40 फीसदी प्रभावित हुआ है। लोग प्रचार सामग्री छपवाने में बहुत कम रुचि दिखा रहे हैं। मोबाइल में दिख रहा चुनाव घमासान- मोबाइल पर प्रचार चर्चा का विषय भी है। किसी को पसंद आ रहा है तो कोई इसको गलत भी बता रहा है। रनवे चौक स्थित चाय दुकान पर बैठे चन्द्रनारायण मल्लिक, कन्हैया प्रसाद गुप्ता, विजय झा इसी बात पर चर्चा कर रहे थे। उनका कहना था कि सुबह ही प्रत्याशियों की राम-राम आ जाती है। एक प्रत्याशी के तीन-तीन ग्रुप- प्रत्याशियों ने व्हाट्सएप पर अपने ग्रुप बनाकर मतदाताओं को जोड़ लिया है। एक प्रत्याशी के तीन-तीन व्हाट्सएप ग्रुप चल रहा है। ग्रुप में प्रत्याशी अपने प्रचार के साथ - साथ लोक - लुभावनें वादा भी कर रहे है । हर पर्व - त्योहार पर शुभकामनाएं व बधाई भी दे रहे है । वहीं दूसरे प्रत्याशियों की बुराई भी कर रहे हैं। ग्रुप में प्रत्याशी अपने बारे में गाने भी प्रसारित कर रहे हैं, जो स्थानीय गायकों ने गाए हैं।

जमशेदपुर के सिदगोड़ा में सुवर्णरेखा नदी में डूबे दो छात्रों में आशीष का शव बरामद, दूसरे छात्र तलाश में जुटी एनडीआरएफ की टीम

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिले के सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बाबूडीह कान्हू भट्ठा के पास सुवर्णरेखा नदी में नहाने के क्रम में डूबे नितिन कुमार सिंह और आशीष कुमार की तलाश में शनिवार सुबह से एनडीआरएफ की टीम जुट गई है। दो नाव से टीम के सदस्य बिरसानगर के आगे तक गए, लेकिन शव बरामद नहीं हो सका था। दोपहर को आशीष कुमार का शव नदी से बरामद किया गया। फिलहाल एनडीआरएफ की टीम नितिन सिंह की तलाश में जुटी हुई है। आशीष कुमार गोलमुरी का रहने वाला था। शुक्रवार सुबह 11 बजे नितिन कुमार सिंह, आशीष, अभिषेक कुमार समेत पांच छात्र क्लास बंक कर बाबूडीह की तरफ गए थे। वहां नितिन सिंह और आशीष कुमार सुवर्णरेखा नदी में नहाने चले गए। अभिषेक समेत दो अन्य छात्र नदी किनारे बैठ कर बातचीत करते रहे। इस बीच नहाते हुए दोनों छात्र नदी के गहरे पानी में बह गए। यह देख अभिषेक ने बचाने का प्रयास किया। हाथ भी पकड़ा, लेकिन पानी की धार तेज होने के कारण हाथ छूट गया। किसी तरह अभिषेक ने खुद को संभाला। लोगों को इसकी जानकारी दी। गोताखोर नदी में दोनों की तलाश करते रहे, लेकिन दोनों का कोई पता शुक्रवार नहीं चल पाया था। दोनों साकची काशीडीह हाईस्कूल के दसवी के छात्र हैं। शनिवार को भी नदी तट पर लोगों की भीड़ लगी रही। मौके पर पहुंचे सिदगोड़ा थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि दो छात्र नदी में नहाने के दौरान बह गए थे। आशीष के स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल था।

लकी ड्रा मेगा टीकाकरण अभियान दो नवंबर तक चलेगा, आज दिए गए 23 लोगों को पुरस्कार

देहरादून। देहरादून के डीएम डा आर राजेश कुमार ने कहा कि लकी ड्रा मेगा टीकाकरण अभियान दो नवंबर तक चलेगा। जो लोग इस अवधि के दौरान दूसरी खुराक लेंगे वे लकी ड्रा के माध्यम से विभिन्न पुरस्कार प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। अगले सप्ताह मिनी ड्रा भी निकाला जाएगा, जिसमें टैब और अन्य उपहार दिए जाएंगे। कहा कि मेगा ड्राइव के दौरान कोविड वैक्सीन की दूसरी खुराक लेने वालों को पुरस्कृत करने के लिए आज टीकाकरण लकी ड्रॉ मेले का आयोजन किया गया। आज हमने लकी ड्रा निकाला और 23 लोगों को पुरस्कार दिए गए। 18-22 अक्टूबर से 18,000 से अधिक लोगों ने दूसरी खुराक ली। कोरोना टीकाकरण मेले में टीके की दूसरी डोज लगवाने वाले व्यक्तियों को आकर्षक पुरस्कार दिए गए। आज परेड ग्राउंड में लकी ड्रा की पर्चियां खोली गईं। इसके बाद दूसरा साप्ताहिक लकी ड्रा 30 अक्टूबर को और मेगा लकी ड्रा दो नवंबर को खोला जाएगा।

कुमाऊं के दौरे पर सीएम धामी, चम्पावत में पीड़ितों से मिलकर हर संभव मदद का दिया आश्वासन

चम्पावत । सीएम पुष्कर सिंह धामी आज कुमाऊं दौरे पर हैं। वह चम्पावत, अल्मोड़ा व पिथौरागढ़ में आपदा प्रभावितों से मिल रहे हैं। इसके साथ ही वह जिले में अधिकारियों से मिलकर राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा भी कर रहे हैं। सबसे पहले चम्पावत पहुंचे सीएम ने तेलवाडा भारी बारिश के कारण जान गंवाने वाले परिवारों से मिलकर संवेदना व्यक्ति की। कहा कि सरकार उनकी पीड़ा को समझती है। इस मुश्किल घड़ी में सरकार पीड़ितों एवं आम जनमानस के साथ खड़ी है। सरकार की तरफ से पीड़ितों को हर संभव मदद दी जाएगी। उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि जनपद में आपदा प्रभावितों को जल्द से जल्द मुआवजा देने की कार्रवाई की जाए। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में लापरवाही ना बरती जाए। साथ ही बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाएं। आपदा राहत कोष से नुकसान ग्रस्त लोगों को राहत दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि शीघ्र ही आपदा प्रभावित इलाकों में राशन व्यवस्था समेत मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था की जाए। निर्देश दिए कि आपदा से निपटने के लिए उपकरणों की आवश्यकता है तो क्रय कर लिए जाएं। साथ ही जिन परिवारों को विस्थापित किया जाना है उनके लिए स्थान का जल्द से जल्द चयन कर उन्हें विस्थापित की जाने की कार्रवाई जल्द से जल्द की जाए।

आपदाग्रस्त क्षेत्रों का कराएं भू-सर्वेक्षण- सीएम ने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भूसर्वेक्षण किया जाए। एडीएम को उसका नोडल अधिकारी बनाया जाए। जिलाधिकारी विनीत तोमर ने बताया कि जनपद में आपदा राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इस दौरे पर मुख्यमंत्री के साथ धन सिंह रावत, विधायक पूरण फर्त्याल, विधायक कैलाश गहतोड़ी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि समेत अन्य मौजूद रहे।

मात्र एक वोट से तय हुआ दरिगांव पंचायत मुखिया का पद

सासाराम (रोहतास)। लोकतंत्र में एक-एक वोट की कीमत क्या है, यह एक बार फिर से साबित हो गया । सासाराम जिले में चौथे चरण के पंचायत चुनाव की मतगणना के दौरान एक वोट की कीमत देखने को मिली। मात्र एक वोट ने जहां एक मुखिया प्रत्याशी के सिर पर जीत का सेहरा बांध दिया। आश्चर्य मगर सच है कि यहां मात्र एक वोट ने मुखिया प्रत्याशी का भविष्य तय किया है। मात्र एक वोट से यहां मुखिया पद का जीत-हार तय हुआ है।

ऐसा जिले में चार चरणों की हुई मतगणना में पहली बार देखने को मिला। हारे प्रत्याशी की मांग पर जिला प्रशासन ने दोबारा काउंटिंग कराया, फिर भी जीत पहले वाले की ही हुई। सासाराम की प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ सासाराम रोजी रानी ने बताया कि शुक्रवार को मतगणना के दौरान समरडीहां ,मोकर ,आकाशी पंचायत की मतगणना पूर्ण होने के बाद दरिगांव पंचायत की गिनती शुरू हुई। दरिगांव पंचायत में मुखिया पद के लिए कृष्ण कुमार 1245 वोट के साथ विजयी घोषित हुए ,साथ ही रामएकबाल राम 1244 मतों के साथ उपविजेता बने। इस परिणाम से असंतुष्ट निकटतम प्रतिद्वंदी प्रत्याशी ने दोबारा गिनती करने की मांग जिला प्रशासन से की। उनकी इस मांग पर सभी पंचायतों की गिनती समाप्त होने के बाद दोबारा दरिगांव पंचायत की मतगणना कराई गई। रिकाउंटिंग के समय सभी की मौजूदगी में इसकी दोबारा वीडियोग्राफी भी हुई। अंत में परिणाम फिर भी कृष्ण कुमार के पक्ष में ही रहा।

दरिगांव पंचायत में मुखिया चुनााव के परिणाम से प्रत्याशियों के सिर चकरा गए हैं। जीते या हारे प्रत्याशी दोनों की ही इसे भाग्य का खेल मान रहे हैं। वहीं समर्थकों का कहना है कि यह परिणाम देखकर आश्चर्य होता है और दुख भी आखिरकार एक वोट कैसे कम रह गया। ग्रामीण अपने मताधिकार पर मुस्कुरा रहे थे। वे गर्व से कह रहे थे कि हमारे एक-एक वोट की कीमत है।

पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी का कृषि नीति पर सवालिया निशान, पुनर्चिंतन की सलाह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किसान बाहुल्य क्षेत्र पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी किसानों को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के साथ ही केन्द्र सरकार को लगातार सलाह देने के साथ ही पत्र भी लिख रहे हैं। शनिवार को भी उन्होंने उत्तर प्रदेश में धान की फसल को लेकर मंडियों में किसानों की उपेक्षा को लेकर ट्वीट किया है।

कई मौकों पर पार्टी लाइन से इतर राय रखने वाले भाजपा सांसद वरुण गांधी बीते कुछ समय से लगातार योगी आदित्यनाथ सरकार की नीतियों की आलोचना कर रहे हैं। मुजफ्फरनगर में पांच सितंबर को किसान महापंचायत के बाद से किसानों के पक्ष में लगातार खड़े रहने वाले भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने इसी दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी कई पत्र लिखे थे। शनिवार को उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से एक वीडियो भी शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा कि उत्तर प्रदेश के किसान समोध सिंह पिछले 15 दिनों से अपनी धान की फसल को बेचने के लिए मंडियों में मारे-मारे फिर रहे थे। इसके बाद भी जब उनका धान बिका नहीं तो निराश होकर इसमें स्वयं आग लगा दी। उन्होंने कहा कि देश तथा प्रदेश की इस व्यवस्था ने किसानों को कहां लाकर खड़ा कर दिया है। पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी के सांसद ने इसके साथ ही कहा कि कृषि नीति पर पुनर्चिंतन आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

उत्तर प्रदेश के किसान श्री समोध सिंह पिछले 15 दिनों से अपनी धान की फसल को बेचने के लिए मंडियों में मारे-मारे फिर रहे थे, जब धान बिका नहीं तो निराश होकर इसमें स्वयं आग लगा दी।

इससे पहले वरुण गांधी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में बाढ़ के हालात को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार की आलोचना की। वरुण गांधी ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र पीलीभीत में भारी बारिश के कारण आई जबरदस्त बाढ़ को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए कहा कि अगर आम आदमी को उसके हाल पर ही छोड़ दिया जाएगा तो फिर किसी प्रदेश में सरकार का क्या मतलब है। पीलीभीत से सांसद वरुण ने ट्वीट किया था कि तराई का ज्यादातर इलाका बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित है। बाढ़ से प्रभावित लोगों को सूखा राशन उपलब्ध कराया है ताकि इस विभीषिका के खत्म होने तक कोई भी परिवार भूखा ना रहे। यह दुखद है कि जब आम आदमी को प्रशासनिक तंत्र की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तभी उसे उसके हाल पर छोड़ दिया जाता है। जब सब कुछ अपने आप ही करना है तो फिर सरकार का क्या मतलब है।

मास्टर आइडी का दुरुपयोग कर बनाए जन्म प्रमाण पत्र, सामने आ रहे चौंकाने वाले राज

मुरादाबाद । फर्जी प्रमाण पत्र में कई नए मामले और भी हैं। नगर निगम में जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर नियमित चैनल की बजाए सीधे मास्टर आइडी का दुरुपयोग करके जन्म प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। मास्टर आइडी आउट सोर्सिंग कर्मचारी के हाथ में होने से जरूरी साक्ष्यों के सीधे डिटेल अपलोड करके उसी दिन या अगले दिन ही प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इनमें भी किसी साक्ष्य की जरूरत नहीं समझी गई। करीब एक दर्जन जन्म प्रमाण पत्र ऐसे हैं, जो छह महीने में बनाए गए और इनमें पार्षद, सफाई निरीक्षक, शपथ पत्र समेत एसडीएम की रिपोर्ट नहीं लगाई गई है। जबकि यह प्रमाण पत्र 21 दिन बीतने के बाद बनाए गए हैं।

बिना जांच-पड़ताल के यह जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इन जन्म प्रमाण पत्रों पर माता और पिता का कोई आधार नंबर ही नहीं अंकित है। इनका रिकार्ड नगर निगम के जन्म प्रमाण पत्र सेक्शन के रजिस्टर में भी दर्ज नहीं है और न फार्म की कोई रसीद है। जिससे मास्टर आइडी होने से बिना पंजीयन, रसीद के जोनल हेल्थ इंस्पेक्टर की आइडी व पासवर्ड का दुरुपयोग करके बनाए जा सकते हैं। फिर इस पूरे सिस्टम की क्या जरूरत है, जो शासन स्तर से निर्धारित किए गए हैं कि पहले फार्म लेंगे, फिर रजिस्टर में फार्म संख्या व अन्य डिटेल दर्ज होगी रसीद भी जन्म प्रमाण पत्र वाले को दी जाएगी। इन नियमों को ताक पर रखकर सीधे मास्टर आइडी से जन्म प्रमाण पत्र बनवाना चोर दरवाजे की राह दिखा रहा है। जिस पर अफसर भी आंख मूंदकर विश्वास कर रहे हैं।

नगर निगम में चर्चा तेज है कि आउट सोर्सिंग कर्मचारी ने गलती की है। लेकिन, इस गलती के बाद भी उसे बचाने का प्रयास इसलिए हैं क्योंकि जन्म प्रमाण पत्र के नाम पर वसूली के खेल में और भी कर्मचारी हैं। दरअसल, नागफनी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के मामले में एक लड़की का जन्म प्रमाण बिना साक्ष्यों के बनाने का मामला खुल चुका है। इस आधार पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र को नगर निगम ने रजिस्ट्रार, जन्म एवं मुत्यु लखनऊ को रद करने के लिए लिखा गया है।

कांग्रेस मंत्री जफर अली नकवी ने कहा, जनता को जागरूक करने के लिए निकाली जा रही प्रतिज्ञा यात्रा

सहारनपुर । कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्रा शुरू करने से पहले हुई कांग्रेस की प्रेसवार्ता में कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री जफर अली नकवी ने कहा कि जनता को जागरूक करने के लिए प्रतिज्ञा यात्रा निकाली जा रही है। यह यात्रा एक ही दिन में तीन जगह बाराबंकी, बनारस और सहारनपुर से निकाली गई है। सहारनपुर में सातों विधानसभाओं में यह यात्रा चलाई जाएगी।

जिसमें आमजन को कांग्रेस की नीतियों से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने अपने बयानों में साफ कर दिया कि कांग्रेस भाजपा का विकल्प है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। इसी के तहत यूपी में 40त्न महिलाओं को टिकट दिया जाएगा। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इमरान मसूद ने कहा कि कांग्रेस भाजपा के कुशासन को खत्म कर सुशासन लाएगी। कांग्रेस दलित अगड़े पिछड़े वह जातिगत राजनीति नहीं करती है। कांग्रेस सभी जाति धर्म की पार्टी है। प्रतिज्ञा यात्रा के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा के इस यात्रा से किसान मजदूर विकास की बात होगी। देश में रहने वाला हर नागरिक सम्मान का अधिकार रखता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में इमरान ने साफ कर दिया कि वह किसी भी पार्टी में शामिल नहीं होंगे।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को टक्कर देने वाली बड़ी पार्टी समाजवादी है। जिसको रणनीति के तहत कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता भाजपा के झूठे वादों को समझ चुकी है और वह देश और प्रदेश में बदलाव चाहती है। इमरान मसूद ने कांग्रेस के पूर्व शासन का बखान करते हुए कहा कि कांग्रेस ने पूर्व सरकार में 72 हजार करोड रुपए

किसानों का माफ किया था मनरेगा और भूमि अधिनियम भी कांग्रेस की ही देन है। इसके अलावा कहा कि कांग्रेस की सरकार बनते ही किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। बिजली बिल माफ होगा। सभी छात्राओं को स्कूटी और मोबाइल दिया जाएगा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इमरान मसूद ने सपा पार्टी में जाने से साफ इंकार करते हुए कहा कि भाजपा का अकेले कोई भी पार्टी मुकाबला नहीं कर सकती है इसलिए मेरी व्यक्तिगत राय है कि कांग्रेस सपा लोकदल सभी को एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ चुनाव लगना चाहिए तभी जीत संभव है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं शायर आचार्य प्रमोद कृष्णम प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि उन्हें किसी भी राजनीतिक दल से गठबंधन नहीं करना है। भाजपा सरकार अपने कारणामो के कारण ही जा रही है और कांग्रेस आ रही है। हमने जो जनता से वादे किए हैं। उन वादों को पूरा करने के लिए ही हम प्रतिज्ञा यात्रा निकाल रहे हैं। यह यात्रा तीन जिलों से शुरु हुई है और बेहट विधानसभा सीट नंबर एक है। इसलिए यहां से भी यात्रा की शुरुआत की गई है। यात्रा के दौरान हम जनता को बताएंगे कि हम घोषणा नहीं कर रहे हम प्रतिज्ञा ले रहे हैं कि जो भी वादे हम जनता से करेंगे, उन्हें हर हाल में प्रतिज्ञा के साथ पूरा करेंगे। इसीलिए इस यात्रा को प्रतिज्ञा यात्रा नाम दिया गया है।

लखीमपुर खीरी हिंसा में तीन और गिरफ्तार, पुलिस की गिरफ्त में मंत्री पुत्र सहित अब तक 13

लखनऊ । लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मृत्यु के मामले में अब पुलिस ने शनिवार को तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हिंसा मामले में एसआइटी बेहद सक्रिय हो गई है। इस चर्चित केस में मुख्य आरोपित मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू सहित अब तक 13 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें से आठ लोग पुलिस की रिमांड पर भी रहे थे।

लखीमपुर खीरी के तिकुनिया के हिंसा के मामले में जांच कर रही एसआइटी ने शनिवार को तीन अन्य लोगों मोहित त्रिवेदी, धर्मेन्द्र सिंह तथा रिंकू राणा को गिरफ्तार किया है। इन तीनों पर आरोप हैं कि यह तीनों घटना के समय स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार थे।

स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने शनिवार को तीन और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों उस स्कॉर्पियो कार में सवार बताए जा रहे हैं जो हादसे के वक्त काफिले में सबसे पीछे चल रही थी। पुलिस ने इन्हें भी सीजीएम की अदालत में पेश किया, जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया है। अब तक इस मामले में 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और आठ आरोपियों से पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ कर रही है।

एसआइटी इससे पहले किसानों की हत्या से संबंधित दर्ज मुकदमे में दस आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी थी। इनमें से गंभीर रूप से घायल लवकुश व आशीष पाण्डेय का पुलिस लाइंस अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि अन्य आठ लखीमपुर खीरी जिला जेल में बंद हैं। अरोपितों में से एक साथ गिरफ्तारी न हो पाने के कारण चार आरोपितों से अब तक पूछताछ हो चुकी हैं, जिनके बयानों में विरोधाभाष है। एसआइटी ने इसी विरोधाभाष को दूर करने के लिए अब शनिवार को आठ आरोपितों से एक साथ पूछताछ की रणनीति बनाई है। अब सभी प्रमुख आरोपितों का आमना-सामना होने से कई अनसुलझे सवालों के जवाब मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद कल दिल्ली से आएंगे पटना, तेजस्वी को मिलेगा बड़ा साथ; अब तेजप्रताप पर नजर

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद करीब ढाई साल बाद 24 अक्टूबर को पटना आने वाले हैं। वह उपचुनाव वाले क्षेत्रों में प्रचार करने भी जाएंगे। उन्हें दोनों सीट कुशेश्वरस्थान और तारापुर में दो जनसभा को संबोधित करना है। आरजेडी की तैयारियों के मुताबिक दोनों क्षेत्रों में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद एक ही दिन 27 अक्टूबर को हेलीकाप्टर से जा सकते हैं। लालू के आते ही खुद को अकेला बता रहे नेता प्रतिपक्ष व उनके बेटे तेजस्वी यादव को बड़ा साथ मिल जाएगा। वहीं बड़े बेटे तेजप्रताप पर सबकी नजर रहेगी। परिवार और पार्टी से नाराज चल रहे तेजप्रताप पहले कह चुके हैं कि लालू के आते ही वे कई लोगों की पोल खोल देंगे।

लालू परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि डाक्टर ने उन्हें पटना आने की इजाजत दे दी है। उन्हें एयर इंडिया के विमान से रविवार को दोपहर दो बजे के आसपास आना है। राजद प्रमुख आखिरी बार अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव की शादी में 12 मई 2018 को रांची जेल से पेरोल पर बिहार की राजधानी पटना आए थे। उसके बाद से इंतजार बढ़ता रहा। इसी वर्ष 17 अप्रैल को जमानत मिलने के बाद उम्मीद थी कि पटना आ सकते हैं, परंतु एम्स से निकलने के बाद दिल्ली में राज्यसबा सदस्य बेटी मीसा भारती के सरकारी आवास चले गए, जहां डाक्टरों की देखरेख में रह रहे हैं। पिछले महीने उनके आने की बात आई थी मगर राबड़ी देवी ने यह कहकर खारिज कर दिया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है।

राबड़ी के बयान के बाद ऐसा लगने लगा था कि लालू जल्द पटना नहीं आएंगे। राजद ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी करते हुए यह संकेत दिया था कि लालू चुनाव प्रचार करने बिहार आ सकते हैं। स्टार प्रचारकों की सूची में लालू का नाम पहले नंबर पर है, जबकि बेटे तेजप्रताप को इस सूची से बाहर कर दिया गया है। तेजप्रताप कह चुके हैं कि लालू को दिल्ली में बंधन बनाकर रखा गया है। यह बयान देते हुए उन्होंने इशारों में छोटे भाई तेजस्वी यादव पर हमला किया था। तेजप्रताप नाराज हैं और कह चुके हैं कि लालू के आते ही वे कुछ लोगों की पोल खोल देंगे। अब लालू के आने पर तेजप्रताप के व्यवहार पर भी नजर रहेगी।

मुयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैजाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदला, अब नया नाम अयोध्या कैंट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने रामनगरी अयोध्या में एक और काम किया है। भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए नींव का काम पूरा होते ही अब प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने फैजाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन का नाम बदल दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैजाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या कैंट रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसका आदेश भी कर दिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने फैजाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या कैंट करने का फैसला करने के साथ ही नाम बदलने के प्रस्ताव को केन्द्र सरकार के पास आधिकारिक अधिसूचना जारी करने के लिए भेजा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की मंजूरी के बाद जल्द ही आधिकारिक बदलाव की अधिसूचना जारी की जाएगी।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने शनिवार को फैजाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या कैंट करने का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले यह बड़ा कदम माना जा रहा है। फैजाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन का नाम बदले जाने का कदम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश में इससे पहले भी भारतीय इतिहास में बड़े नामवर लोगों के नाम पर सड़क, रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थानों के नाम में परिवर्तन किया गया है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने इससे पहले 2018 में फैजाबाद का नाम अयोध्या जनपद करने की घोषणा की थी। 6 नवंबर 2018 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने फैजाबाद जिले का नाम बदलकर अयोध्या करने और जिले के प्रशासनिक मुख्यालय को अयोध्या शहर में स्थानांतरित करने को मंजूरी दी थी।

प्रियंका चोपड़ा और सनी देओल के बेटे बिहार से कर रहे 12वीं की पढ़ाई, मामला जानकर चौंक जाएंगे आप

पश्चिम चंपारण । बालीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और सनी देओल का बेटा बिहार के बेतिया में इंटरमीडिएट की पढ़ाई कर रहा है। इस वाक्य को सुनने के बाद आपके दिलो-दिमाग में एक साथ कई सवाल उठने लगे होंगे। मसलन, प्रियंका चोपड़ा-सनी देओल की शादी कब हुई? क्या प्रियंका चोपड़ा का कोई बेटा भी है? क्या प्रियंका चोपड़ा का बेटा इतना बड़ा हो गया कि वह..। इससे पहले कि आप सवालों के समंदर में गोते लगाने लगें, यहां साफ कर दूं कि मैं आपको किसी बालीवुड गासिप की कहानी नहीं सुनाने जा रहा हूं। यहां मैं बात कर रहा हूं बेतिया स्थित राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय के एक इंटरमीडिए के छात्र की शरारत की।

दरअसल, बिहार के अन्य जिलों की तरह ही पश्चिम चंपारण के बेतिया स्थित राम लखन सिंह यादव महाविद्यालय में भी इंटरमीडिएट सेंटअप की परीक्षा हुई। इसमें एक परीक्षार्थी ने शरारतन अपनी मां का नाम प्रियंका चोपड़ा और पिता का नाम सनी देओल लिख दिया। बाद में यह कापी इंटरनेट मीडिया पर वायरल

हो गई। लोग इस पर खूब कमेंट कर रहे हैं। इसका आनंद ले रहे हैं। दूसरों को फारवर्ड भी कर रहे हैं। साथ ही एक-दूसरे से सवाल भी कर रहे हैं कि क्या प्रियंका चोपड़ा-सनी देओल का बेटा बिहार से इंटर की पढ़ाई कर रहा है। हालांकि दैनिक जागरण इस कापी की सत्यता को प्रमाणित नहीं करता है।

सवाल के जवाब में लिखा- मास्टर ने नहीं पढ़ाया- उस परीक्षार्थी की शरारत का अंत वहीं पर नहीं हुआ। परीक्षा के दौरान एक सवाल पूछा गया था कि वह पुरातत्व से क्या समझता है। उसने लिख दिया कि यह मेरे मास्टर ने नहीं पढ़ाया है, मैं पुरातत्व से कुछ नहीं समझता हूं।

कालेज प्रशासन ने शुरू कर दी घटना की जांच- बहरहाल, कालेज प्रशासन ने घटना की जानकारी होने के बाद जांच शुरू कर दी है कि आखिर कापी इंटरनेट मीडिया तक कैसे पहुंची? इसके बाद जो किरकिरी हो रही है, उससे खुद को बचाने के उपाय में कालेज प्रशासन लग गया है। मनोरंजन की बात से इतर कुछ लोग इस घटना को सूबे की शिक्षा व्यवस्था को आईना दिखाने वाला बता रहे हैं। उनका मानना है कि जब बच्चों को पढ़ाया नहीं जाएगा और केवल परीक्षा ली जाएगी तो इस तरह की घटनाएं तो होंगी हीं। पढ़ाई से न केवल डिग्री मिलती है वरन जीवन में अनुशासन भी आता है। पढ़ाई के अभाव में बच्चे एक साथ दोनों चीजें खोते जा रहे हैं। रामलखन सिंह यादव महाविद्यालय, बेतिया के प्राचार्य राजेश्वर प्रसाद यादव ने कहा कि अभी तक यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं आया है। इंटरमीडिएट सेंटअप परीक्षा की कापी वायरल कैसे हुई ,इसकी जांच कराई जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई भी होगी ।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा, स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना चाहता है आदिवासी समाज

रांची । जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि आदिवासी समाज स्वाभिमान के साथ आगे बढ़ना चाहता है और यही वजह है कि भाजपा के प्रति जनजातीय समाज का भरोसा बढ़ रहा है। हमें इस भरोसे को बनाए रखना होगा। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक के उद्घाटन सत्र में अर्जुन मुंडा ने आदिवासी हितों को लेकर सरकार के संकल्प को पार्टी कार्यकर्ताओं से साझा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनजातीय समाज को राजनीतिक हाथियार नहीं बनने देंगे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस देश में विकास की नई लकीर खींची गई है। आज आदिवासी समाज के आठ केंद्रीय मंत्री समाज का नेतृत्व कर रहे हैं। अरुणाचल से अंडमान तक आदिवासी समाज ने भाजपा को चुना है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। अब हमें विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में कैसे पहुंचें और देश के आत्मनिर्भर कैसे बनाएं, इसकी चिंता करनी है। इसी संकल्प को लेकर हम सभी को आगे बढ़ना है। मुंडा ने कहा कि कांग्रेस के समय आदिवासियों के नाम पर योजनाएं बनती थीं, लेकिन वे योजनाएं आदिवासियों के लिए नहीं होती थीं।

परिणाम यह हुआ कि आदिवासी समाज उपेक्षा का दंश झेलता रहा। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से एक नई यात्रा प्रारंभ हुई है। आदिवासी समाज हमारे लिए एक परिवार है और हमें इस परिवार को लेकर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रखंड में एकलव्य विद्यालय हो - इसकी चिंता प्रधानमंत्री ने की है। पहले राज्यों को आवंटन देकर पल्ला झाड़ लिया जाता था। लेकिन अब प्रधानमंत्री सोचते हैं कि जब तक देश का आदिवासी आगे नहीं बढ़ेगा तब तक देश आगे नहीं बढ़ेगा। कहा, आदिवासी समाज की परंपरा और संस्कृति उसकी पहचान है। लेकिन इस समाज की प्रगति भी जरुरी है। हमारा समाज कैसे आगे बढ़े इसी चिंता हम सभी को करनी होगी।

हम कार्यसमिति में इन विषयों पर चर्चा करेंगे। गांव का विकास कैसे हो, हम अपने गांवों को आदर्श गांव कैसे बनाएं, इस पर मंथन करना होगा। देश में सात सौ से अधिक जनजातीय समुदाय हैं, उनके बीच संवैधानिक अधिकार पहुंचाना हमारा उत्तरदायित्व है। बच्चों की शिक्षा से लेकर रोजगार तक विमर्श करना होगा। हम अपने गांवों तक सभी तरह की योजनाएं सही तरीके से पहुंचाएं, आदर्श गांव की अवधारणा यही है।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी दलों के रवैये की आलोचना भी की। कहा, हम हर ब्लॉक में एकलव्य विद्यालय खोलना चाहते हैं, लेकिन एकलव्य विद्यालय न खुले ऐसी भी राजनीति हो रही है। ऐसे दल देश के भविष्य को नुकसान पहुंचा रहे हैं। झारखंड सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि यहां की सरकार में जनजातीय समाज के कई मंत्री हैं, लेकिन वे हमारे मंत्रालय के साथ चर्चा तक नहीं करना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल में ट्राइफेड की योजनाओं को जमीन पर उतरने नहीं दिया जा रहा है। आदिवासी समाज को हथियार की तरह इस्तेमाल करने की कोशिश हो रही है, हम ऐसा नहीं होने देंगे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने सौ करोड़ लोगों के टीकाकरण की उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने ताली और थाली बजवाई तो कुछ राजनीतिक दलों ने इसकी आलोचना की थी, लेकिन उस ताली में एक स्पंदन था, सौ करोड़ लोगों के टीकाकरण की उपलब्धि यह बता रही है। मुंडा ने कार्यसमिति में उपस्थित सभी लोगों से ताली बजवाई और कहा कि इस संयुक्त आवाज, लय और ताल से भारत आगे बढ़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

समय पर समस्याओं का निराकरण करें : डॉ. मिश्रा

भोपाल । गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने जिले के दो-दिवसीय प्रवास के दौरान शनिवार को अपने राजघाट कॉलोनी निवास पर जन-सामान्य की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी है कि जनता की समस्याओं के निराकरण में कोई भी लेट-लतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर हाल में समय पर समस्या निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया आज से लेंगे चुनावी सभाएं

भोपाल । केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 24 को नेपानगर, बुरहानपुर एवं 25 अक्टूबर को खंडवा और जोबट में चुनाव प्रचार पर रहेंगे। श्री सिंधिया 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे नेपानगर विधानसभा के खकनार मंडल के डोईफोडिया में और दोपहर 2.00 बजे नावरा एवं शाम 4.00 बजे बुरहानपुर विधानसभा के शाहपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री सिंधिया शाम 5.00 बजे शाहपुर से इंदौर प्रस्थान करेंगे। वे 25 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे खंडवा विधानसभा के नगर निगम प्रांगण में एवं दोपहर 2.30 बजे जोबट विधानसभा के अंबुआ में जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री सिंधिया शाम 6.00 बजे अंबुआ से इंदौर पहुंचकर नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

केंद्रीय मंत्री तोमर आज पंधाना में करेंगे जनसभा

भोपाल । केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर 24 अक्टूबर को पंधाना विधानसभा में चुनाव प्रचार पर रहेंगे। श्री तोमर 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे पंधाना विधानसभा के गुडीखेड़ा में जनसभा को संबोधित करेंगे। दोपहर 1.30 बजे ग्राम दिवाल एवं दोपहर 3.00 बजे चिचगोहन मंडल के देशगांव में पार्टी के प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। सभा के पश्चात श्री तोमर भोपाल रवाना होंगे।

शिवराज सिंह आज खरगौन व खंडवा प्रवास पर

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 24 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे खरगौन जिले के भीकनगांव विधानसभा के तितरानिया एवं दोपहर 1:20 बजे खारवा में स्थानीय कार्यक्रम एवं जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री चौहान 2:50 बजे खंडवा जिले के बड़वाह विधानसभा के बेड़िया में स्थानीय कार्यक्रम एवं जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री चौहान शाम 4.45 बजे भोपाल प्रस्थान करेंगे।

वीडी शर्मा आज रीवा और सतना के दौरे पर

भोपाल । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा रविवार, 24 अक्टूबर को रीवा एवं सतना प्रवासपर रहेंगे। श्री शर्मा सुबह 10 बजे रीवा के राजनिवास में आयोजित नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों से परिचयात्मक बैठक में शामिल होंगे। दोपहर 12 बजे देवतालाब विधानसभा के पुरवा पडरिया में विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम की जनसंपर्क साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे एवं जनसभा को संबोधित करेंगे। श्री शर्मा दोपहर 3.00 बजे सतना पहुंचकर रैगांव विधानसभा के चुनावी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उमा भारती आज रैगांव में लेंगी चुनावी सभा

भोपाल । पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती 24 अक्टूबर को रैगांव विधानसभा प्रवास पर रहेंगी। सुश्री भारती 24 अक्टूबर को सतना जिले के रैगांव विधानसभा में दोपहर 2.45 बजे सिंहपुर मंडल के आमा में सभा को संबोधित करेंगी। सुश्री भारती शाम 4.15 बजे छतरपुर से टीकमगढ़ रवाना होंगी।

दिग्विजय सिंह आज खंडवा में लेंगे तीन जनसभाएं

भोपाल । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह 24 अक्टूबर को खंडवा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे सुबह 11.15 बजे पंधाना के सिंगोटए, दोपहर एक बजे नेपानगर जिला बुरहानपुर और अपरान्ह तीन बजे मांधाता विधानसभा के हाथिया बाबा पर कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण सिंह पुरनी के समर्थन में आमसभा को संबोधित करेंगे।

वासनिक आज खंडवा में लेंगे दो चुनावी सभाएं

भोपाल । अभा कांग्रेस के प्रभारी महासचिव मुकुल वासनिक रविवार, 24 अक्टूबर को खंडवा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी राजनारायण सिंह के समर्थन में दो आम सभाओं को संबोधित करेंगे। तद्नुसार दोपहर 12 बजे वे जावर और शाम 5.00 बजे बमनगांव में आम सभा को संबोधित करेंगे।

मौर्य और आर्य आज रैगांव व पृथ्वीपुर प्रवास पर

भोपाल । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य 24 अक्टूबर को रैगांव एवं पृथ्वीपुर विधानसभा के प्रवास पर रहेंगे। नेताद्वय दोपहर 12 बजे रैगांव विधानसभा के कोठी मंडल के गुलुआ पावैया में और पृथ्वीपुर विधानसभा के पृथ्वीपुर मंडी स्थल में सभा को संबोधित करेंगे।

महाराष्ट्र के मंत्री सुनील केदार आज से चुनावी दौरे पर

भोपाल । महाराष्ट्र सरकार के मंत्री सुनील केदार 24 से 26 अक्टूबर तक खंडवा लोकसभा संसदीय क्षेत्र उपचुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी राजनारायण सिंह पुरनी के पक्ष में चुनाव प्रचार एवं कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए खंडवा प्रवास पर रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री राजीव सिंह ने बताया है कि श्री केदार 23 अक्टूबर को रात्रि दो बजे खंडवा पहुंचेंगे और वहां होटल कंसल में रात्रि विश्राम करेंगे। वे दूसरे दिन 24 अक्टूबर को सुबह 8.30 बजे धूनी वाले दादाधाम आश्रम में दर्शनार्थ हेतु जाएंगे। तत्पश्चात वे पूर्वान्ह 11 बजे खंडवा के निम्बोला से अपना चुनावी कार्यक्रम प्रारंभ करेंगे। इसके बाद वे चापोरा, धामनगांव, बोरसर, इच्छापुर, सिरसोदा और नाचनखेड़ा में चुनावी कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे सायं 6.00 बजे बुरहानपुर रवाना हो जाएंगे और वहां रात्रि विश्राम करेंगे। श्री केदार दूसरे दिन 25 अक्टूबर को पूर्वान्ह 11 बजे सरोला से चुनावी कार्यक्रम में शामिल होंगे और शाम 6 बजे तक उमरदा, अम्बाड़ा, भातखेडा, अंधारवाडी, डाबियाखेडा, हैदरपुर और नावरा में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव.प्रचार एवं जनसंपर्क करेंगे। वे रात्रि विश्राम बुरहानपुर में करेंगे। श्री केदार 26 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की खंडवा संसदीय क्षेत्र में आयोजित जनसभा में शामिल होंगे। वे रात्रि 10.30 बजे बुरहानपुर से मुंबई के लिए रवाना हो जाएंगे।

कोरोना के 11 नए मामले मिले, तीन भोपाल के

भोपाल । प्रदेश में शनिवार को 59 हजार 991 कोरोना जांच की गईं। कुल 11 कोरोना के नए प्रकरण आए। इनमें से भोपाल में तीन प्रकरण, होशंगाबाद और इंदौर में दो-दो, धार, नरसिंहपुर, राजगढ़ और सागर में एक-एक प्रकरण 23 अक्टूबर को पाए गए हैं। जबकि प्रदेश में 12 कोरोना रोगी स्वस्थ हाकर डिस्चार्ज हुए। शनिवार को 3 लाख 99 हजार 158 कोरोना वैक्सीन डोज लगाए गए। प्रदेश में अब तक 6 करोड़ 85 लाख एक हजार 813 वैक्सीन डोज लगायी जा चुकी हैं।

जैव-विविधता ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आज

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य जैव-विविधता बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन क्विज-2021 प्रतियोगिता रविवार,24 अक्टूबर को आयोजित की गई है। इस प्रतियोगिता में सभी वर्ग के लोग शामिल हो सकेंगे। इसके लिए प्रतिभागियों को mp.gov.in पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। प्रतिभागी सुबह 6 से रात 10 बजे के बीच किसी भी समय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। क्विज का समय कुल 10 मिनट का रखा गया है। पंजीयन सहपरीक्षा की कुल अवधि 15 मिनट की रखी गई है। प्रतिभागी विद्यालयों और विद्यार्थियों को 4 जी नेटवर्क का उपयोग करवाना जरूरी किया गया है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली इस क्विज प्रतियोगिता जैव-विविधता धरोहर, संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण जैसे अहम विषयों के प्रति जागरूकता के विस्तार के साथ ज्ञानवर्धन कराने के मकसद से कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण योजना के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा

हम प्रदेश में बिजली की कमी नहीं आने देंगे

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने शनिवार को यहां मिंटो हाल में मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पूरी दुनिया में बिजली का संकट है, पर हम सिंचाई के लिए बिजली की कमी नहीं आने देंगे। बिजली की बढ़ती खपत और कोयल महंगा होने के बावजूद किसान को सस्ती दरों पर बिजली दी जाएगी।

2025 तक 65 लाख हेक्टेयर में सिंचाई होगी

हमारी सरकार ने किसानों को सस्ती बिजली देने के लिए 21 हजार करोड़ रुपए की सब्सिडी देने का निर्णय लिया। एक युग था जब प्रदेश में बिजली की उपलब्धता केवल 5,000 मेगावॉट थी, जिसे हमने बढ़ाकर 22 हजार मेगावॉट किया। मुख्यमंत्री ने किसानों से अपने खेतों में सोलर प्लांट लगाने का आह्वान किया। योजना में किसान दो मेगावॉट तक सोलर प्लांट लगाकर बिजली ग्रिड में बिजली दे सकते हैं। किसानों से सरप्लस बिजली प्रति यूनिट लगभग 3 रूपए 5 पैसे की दर से ली जाएगी। इससे स्वयं की जरूरतों को पूरा करने के बाद जरूरत से अधिक विद्युत को बेचकर किसान अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि यह उपलब्धियां सिंचाई बढ़ने से संभव हुई हैं। पूर्व में सिंचाई की कोई पुख्ता योजना नहीं होने से प्रदेश का सिंचित रकबा केवल 7 लाख 50 हजार हेक्टेयर हुआ करता था, जो पिछले 17 सालों में बढ़कर 42 लाख हेक्टेयर तक पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सम्पूर्ण कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा देने के लिए हरसंभव कोशिश जारी है। हमारा प्रयास है कि 2025 तक 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने मुख्यमंत्री किसान-कल्याण योजना कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या-पूजन के साथ किया।

खाद की ब्लैक मार्केटिंग करने वालों को सीधे जेल भेजेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि खाद की ब्लैक मार्केटिंग करने वालों को सीधे जेल भेजा जाएगा। खाद की विदेशों से आपूर्ति होती है। राज्य सरकार खाद आपूर्ति के संबंध में वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है।

फसल का एक-एक दाना खरीदूंगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के प्रयासों और किसान की मेहनत के परिणामस्वरूप प्रदेश में फसल का बम्पर उत्पादन हो रहा है। मैं किसानों से आव्हान करता हूं कि वे फसलों का भरपूर उत्पादन लें, मैं फसल का एक-एक दाना खरीदूंगा। खेती को फायदे का धंधा बनाना प्रधानमंत्री मोदी की चिंता है। चौहान ने किसानों से खेती के विविधीकरण को अपनाने की अपील की।

एक नवंबर से मनाया जाएगा भू-अभिलेख शुद्धिकरण पखवाड़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि भू-अभिलेखों में विभिन्न प्रकार की त्रुटियां दूर करने के लिए एक नवंबर से भू-अभिलेख शुद्धिकरण पखवाड़ा मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन, संबल योजना, छात्र-छात्राओं की बेहतर शिक्षा के लिए जारी व्यवस्थाओं के संबंध में किसान भाइयों से चर्चा की। झाबुआ से वर्चुअली जुड़े राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भी समारोह को संबोधित किया।

शिवराज सिंह ने खंडवा के जावर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा

हमारा काम विकास करना

कांग्रेस सिर्फ योजनाओं को करती है बंद

भोपाल (एजेंसी)। हमारा काम जनहित के काम और विकास करना है। कांग्रेस सिर्फ हमें गाली देने का काम करती है। जो योजनाएं कांग्रेस सरकार ने बंद की थी, उन सभी योजनाओं को हमने फिर से चालू कर दिया है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को खंडवा विधानसभा के जावर में लोकसभा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी तब न यह पानी था न सड़कें। जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो हम मालवा और निमाड़ में पाइप लाइन के जरिए नर्मदा का पानी लाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस खुद सूखी सपाट थी तो वह इस क्षेत्र में पानी कैसे लाती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में न बिजली थी और न सड़कें थीं। उन्होंने कहा कि हम 21 हजार करोड़ देकर किसानों को सस्ती बिजली दे रहे हैं। श्री चौहान ने सभा में कहा कि 15 माह आपने कांग्रेस को देखा, विकास की जब बात होती थी तो वे पैसे नहीं होने का रोना रोते थे, लेकिन भाजपा सरकार ने कोरोना के विकट समय में भी विकास के काम बंद नहीं किए। सीएम ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आई तो विकास के काम बंद और भाजपा आई तो विकास के काम चालू होते हैं।

मुख्यमंत्री ने सभा में जनता से अपील करते हुए कहा कि ज्ञानेश्वर पाटिल सरल, सहज कार्यकर्ता हैं। हमारे नेता स्व. नंदू भैया ने इस क्षेत्र के विकास के जो सपने देखे थे उसे शिवराज सिंह चौहान और भारतीय जनता पार्टी पूरा करेगी। उन्होंने जो विकास के काम इस क्षेत्र के लिए शुरू किए हैं उन्हें पूरा करने का काम ज्ञानेश्वर पाटिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस क्षेत्र से भाजपा ही जीतेगी, जो कि यहां की जनता काम करने वालों को ही चुनती है।

कांग्रेस को वोट देने से क्या फायदा न दिल्ली में है, न ही भोपाल में

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह चुनाव इस क्षेत्र का भविष्य बनाने का चुनाव है। कांग्रेस का कहीं भी अता पता नहीं है। न भोपाल में न दिल्ली में इनकी सरकार है। जब प्रदेश में उनकी सरकार थी तब उन्होंने कुछ नहीं किया तो अब ये क्या करेंगे, उन्होंने कहा कि कांग्रेस को वोट देने का कोई फायदा नहीं है। दिल्ली में सिर्फ राहुल गांधी और भोपाल में सिर्फ कमलनाथ हैं। इस अवसर पर किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, प्रदेश शासन के मंत्री हरदीप सिंह डंग, जिला अध्यक्ष सेवादास पटेल, विधायक देवेंद्र वर्मा और कैलाश पाटीदार उपस्थित थे।

कांग्रेस ईमानदारी से काम करती तो देश में इतना भ्रष्टाचार नहीं बढ़ता : तोमर

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस ने आजादी के बाद से लगातार देश.प्रदेश में पर राज किया, लेकिन इन्होंने राजनीति को सेवा का नहीं, बल्कि कमाई का जरिया बनाया। अगर कांग्रेस देश-प्रदेश में ईमानदारी से कार्य करती तो विकास होता, इतना भ्रष्टाचार नहीं बढ़ता। ये बातें केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने रैगांव के मैथिलीपुर में भाजपा प्रत्याशी प्रतिमा बागरी के समर्थन में विजय संकल्प सभा एवं कृषक मित्र संवाद को संबोधित करते हुए कही।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने विजय संकल्प सभा को किया संबोधित

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि वे एक रूपया दिल्ली से भेजते हैं, लेकिन नीचे 15 पैसा ही पहुंचता है। 85 पैसा तो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था। अब यह स्थितियां नहीं हैं। अब तो प्रधानमंत्री यदि एक रुपए भेजते हैं तो वह सीधे बैंक खाते में जाता है। केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि कांग्रेस के राज में दलाली जमकर चलती थी। बीच का पैसा दलाल और भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, लेकिन अब न तो दलाली होती है और न ही भ्रष्टाचार होता है। श्री तोमर ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस ने सरकार बनाई और कमलनाथ को प्रदेश की पहरेदारी दे दी, लेकिन पहरेदार ने ही लूट शुरू कर दी।

केंद्रीय मंत्री श्री तोमर ने कहा कि वर्ष 2003 से पहले प्रदेश के गांवों में बिजली के दर्शन भगवान के दर्शन करने के बराबर थे उन्होंने कहा कि जब हम लोग विपक्ष में थे तो उस समय केवल दो ही नारे लगते थे। एक तो जब तक रहेगा दिग्गी, तब तक घर में जलेगी डिब्बी, दूसरा चारों तरफ अंधेरा है और पहरेदार लुटेरा है।

कार्यकर्ता कांग्रेस के झूठ को बेनकाब करें : विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर कांग्रेस द्वारा चलाएं जा रहे झूठ को बेनकाब करने के लिए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने खंडवा लोकसभा के सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं से वीसी के माध्यम से चर्चा की। श्री शर्मा नें कहा कि उपचुनाव में कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, न जमीन पर कोई ताकत है, इसलिए वह सोशल मीडिया पर झूठे वीडियो और भ्रामक प्रचार कर जनता को भ्रमित करने की चाल चल रही है। कांग्रेस के इस झूठ को बेनकाब करने की जिम्मेदारी भाजपा सोशल मीडिया के कार्यकर्ताओं की है। केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियों के साथ कांग्रेस की करतूतों को भी एक्सपोज करें।

प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर खंडवा लोकसभा के चल रहे प्रचार अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि हमें चुनाव प्रचार अभियान को और गति देना है। तथ्यों और तर्कों के साथ कांग्रेस को जवाब दें। पार्टी के प्रदेश मंत्री एवं आईटी व सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश प्रभारी रजनीश अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार के पास अनगिनत उपलब्धियां और विकास के काम हैं। जबकि कांग्रेस उपलब्धियों के मामले में पूरी तरह खाली हाथ है। हम मजबूती के साथ संगठन और सरकार का पक्ष प्रभावी और जोरदार तरीके से जनता के बीच रखें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव के आखिरी दिनों में षड्यंत्र रचने और डर्टी पॉलिटिक्स करने का कार्य करती है, जिसे हमें नाकाम करते हुए एक्सपोज करना है। सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने सोशल मीडिया पर चल रहे पार्टी के चुनाव प्रचार अभियान के बारे में जानकारी देते हुए सोशल मीडिया विभाग के कार्यकर्ताओं के करणीय कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

उपचुनावों में लहराएगा कांग्रेस की जीत का परचम : वासनिक

भोपाल (एजेंसी)। इस देश की सरकार यदि सही समय पर कोरोना से लड़ने के लिए आवश्यक कदम उठा लेती तो बहन कलावती भूरिया आज हमारे बीच में होती। यह बात कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं मध्यप्रदेश प्रभारी मुकुल वासनिक ने जोबट विधानसभा में आम सभा को संबोधित करते हुए कही। श्री वासनिक ने कहा कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया, हमने सोचा था कि संपूर्ण देश में व्याप्त भीषण महंगाई को लेकर वह कुछ बात कहेंगे परंतु मोदी जी ने इस संदर्भ में कोई बात नहीं कही।

श्री वासनिक ने कहा की जोबट से एक नई शुरुआत मध्यप्रदेश की राजनीति में करनी होगी, मैं यहां उम्मीद करता हूं कि 30 तारीख को होने वाले चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी महेश पटेल के हाथ के पंजे के निशान के सामने का बटन दबाकर आप उन्हें विधानसभा भेजेंगे और यहीं से हम 2023 की सफल शुरुआत करेंगे। श्री वासनिक ने कहा कि मैं दावे के साथ कह सकता हूं तीनों विधानसभाओं और खंडवा लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस का परचम लहराएगा। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कांतिलाल भूरिया, सज्जन सिंह वर्मा, विजयलक्ष्मी साधो सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

शिवराज सरकार में सिर्फ घोषणाओं का हुआ विकास

कमलनाथ ने चुनावी सभा में बोला हमला

भोपाल, (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने रैगांव विधानसभा के शिवराजपुर और भरजुना में विशाल जनसभाओ को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि मैं शिवराज जी से कहना चाहता हूं कि उन्होंने पिछले 18 वर्षों के दोरान विकास के नाम पर, झूठ बोलकर, झूठी घोषणाएं कर प्रदेश की जनता को जो धोखा दिया है, उसके लिए उन्हें प्रदेश की जनता से माफी मांगना चाहिए। शिवराज सरकार के 18 वर्षों में यदि किसी का विकास हुआ है तो सिर्फ घोषणाओं का। कांग्रेस और भाजपा की सभाओं में यही अंतर है कि हमारी सभाओं में लोग लाए नहीं जाते, लोग खुद दिल से चलकर आते है और भाजपा की सभाओं में सरकारी अधिकारियों को टारगेट देकर लोग बुलाए जाए हैं। कमलनाथ ने कहा कि मैंभी मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री रहा, लेकिन मैंने कभी इस सिस्टम को नहीं अपनाया। मै तो शुरू से ही यही चाहता हूं जो लोग आएं, वह दिल से आएं। मैंने कभी सरकारी भीड़ के सिस्टम को नहीं अपनाया।

कमलनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने सतना जिले मे 47 हज़ार किसानों का पहले चरण में कर्ज माफ किया, इसके गवाह तो खुद किसान हैं और खुद शिवराज सरकार ने विधानसभा में इस सच्चाई को स्वीकारा है कि हमने पहले चरण में 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया है। भले आज यह सभाओं में झूठ बोलते रहे लेकिन सच्चाई रिकोर्ड में है। हमने डिफॉल्टर ही नहीं चालू खाते वाले किसानों का भी कर्ज माफ किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने युवा मोर्चा के एक मतदान, 20 नौजवान अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा

युवा मोर्चा की पहल भाजपा को दिलाएगी ऐतिहासिक जीत

भोपाल (एजेंसी)। युवा मोर्चा की एक मतदान, 20 नौजवान अभियान पहल एक लोकसभा और तीन विधानसभाओं के चुनाव में भाजपा को ऐतिहासिक जीत तो दिलाएगी ही, लोकतंत्र को भी मजबूती देगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को प्रदेश कार्यालय में अभियान का शुभारंभ करते हुए कही। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं का सम्मान भी किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आने वाले चुनाव में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जिस तरह परिश्रम कर रहे हैं, उसके चलते इस चुनाव में युवा मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। श्री शर्मा ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक बूथ पर जो युवा सम्मेलन होंगे, उनका आयोजन सभी 65 हजार बूथों पर चुनाव के बाद भी चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को खोजकर उन्हें देश और समाज के सामने लाने का काम कर रहे हैं, उसी तरह युवा मोर्चा भी इस अभियान में बूथ स्तर तक उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को खोजकर उनका सम्मान करेगा।

श्री शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में युवा मोर्चा के 65 हजार से अधिक कार्यकर्ता सक्रिय हैं और उनके परिश्रम से भाजपा ऐतिहासिक जीत दर्ज कराएगी।

आज का युवा मोर्चा कल की भाजपा : भूपेंद्र सिंह

चुनाव प्रबंध समिति के प्रदेश संयोजक एवं नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि युवा मोर्चा उपचुनावों में कड़ी मेहनत कर रहा है, वे भाजपा प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटा रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि आज का युवा मोर्चा ही कल की भाजपा है। इसलिए आज युवा मोर्चा जितना सशक्त होगा, भविष्य की भाजपा में भी उतना ही निखार आएगा।

हर बूथ पर होगा यूथ : वैभव पवार

युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार ने कहा कि उपचुनाव वाले क्षेत्रों में युवा मोर्चा 23 अक्टूबर से 51 मंडलों के 3268 बूथों पर बूथ स्तरीय युवा सम्मेलन एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित करेगा। इनमें प्रतिभाशाली युवाओं का सम्मान कर संवाद किया जाएगा। उपचुनाव की दृष्टि से 558 नगर केंद्र और ग्राम केंद्र इसमें शामिल हैं। मतदान के दिन 3268 बूथों पर 65 हजार युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बूथ पर उतरेंगे। इनका प्रशिक्षण बूथ सम्मेलन के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोर्चा कार्यकर्ता राज्य और केंद्र सरकार की जनहितैषी योजनाओं को लेकर सतत जनसंपर्क कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर बूथ पर यूथ की बड़ी जिम्मेदारी है इसलिए नव मतदाताओं को जोड़ना युवा मोर्चा की प्राथमिकता है।

प्रतिभाशाली युवाओं का किया सम्मान

कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने दुनिया के नं-2 स्नूकर प्लेयर कमल चावला, नारियल के छिलकों और रेशे से उपयोगी सामग्री तैयार करने वाल प्रकाश कुमार, जैविक कृषि करने वाले अमित पाटीदार और रंगकर्मी अर्पित साहू का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजीत चौहान और आभार प्रदर्शन मीडिया प्रभारी अंकित गर्ग ने किया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर, सह मीडिया प्रभारी नरेंद्र शिवाजी पटेल, चुनाव प्रबंध समिति के कार्यालय प्रभारी प्रदीप त्रिपाठी एवं अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वजन बढ़ने के कारण ऐसा हो गया था हिना खान का हाल, अब सोशल मीडिया पर कही ये बात

एक्ट्रेस हिना खान (Hina Khan) पीछे कुछ समय से चर्चाओं में हैं. असल में कुछ महीने पहले ही हिना के पिता असलम खान का इंतकाल हो गया था. इस बीच ख़बरें थीं कि हिना का वज़न भी एकदम से काफी बढ़ गया है. इन सभी ख़बरों के बीच खुद हिना खान ने एक पोस्ट के जरिए बताया है कि उनका वज़न बढ़ गया था लेकिन उन्होंने वज़न घटाने से ज्यादा अपनी मेंटल हेल्थ पर फोकस किया है. हालांकि, वापस एक बार हिना खान पूरी तरह से फिट होकर शेप में आ चुकी हैं.

हिना ने हाल ही में सोशल मीडिया पर शेयर की अपनी पोस्ट में लिखा है कि, 'हां, मेरा वज़न कुछ ऑब्वियस कारणों से कुछ किलो बढ़ गया था और सच बताऊं तो मैने इस तरफ ध्यान भी नहीं दिया कि मेरा वज़न कितने किलो बढ़ गया है. मेरे लिए मेरी मेंटल हेल्थ बेहद मायने रखती है और इसलिए मैने उन्हीं चीज़ों का ध्यान रखा जिन्हें करने से मुझे ख़ुशी मिलती है..कभी-कभी खुद के लिए समय निकालना चाहिए छोटी-छोटी चीज़ों में ख़ुशियां ढूंढना चाहिए...वो करिए जो आप करना चाहते हैं बिना ये सोचते हुए कि लोग क्या सोचेंगे और आप कैसे दिख रहे हैं. वैसे भी लाइफ में कुछ भी करने के लिए दिमाग का संतुलित होना बेहद ज़रूरी है...इसलिए मैने फिजिकल अपीयरेंस से पहले मेंटल हेल्थ को चुना...और अब आई एम बैक इन एक्शन'.

बात यदि करियर फ्रंट की करें तो हिना खान बिग बॉस ओटीटी में नज़र आई थीं. वहीं, हिना हाल ही में एक म्यूजिक वीडियो 'मैं भी बर्बाद' में नज़र आ चुकी हैं. बताते चलें कि हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और इन्स्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 15 मिलियन फॉलोअर्स हैं.

शाहरुख़ खान को अपना दूसरा पिता मानती हैं अनन्या पांडे, खास बॉन्डिंग पर कही थी एक बात

ड्रग्स केस की आंच एक्ट्रेस अनन्या पांडे (Ananya Panday) के घर तक पहुंच चुकी है. बहरहाल, आज हम आपको ड्रग केस से इतर अनन्या के किंग खान की फैमिली से कैसे रिलेशन हैं इसके बारे में बताएंगे. एक्ट्रेस अनन्या पांडे, शाहरुख़ खान (Shahrukh Khan) की बेटी सुहाना खान (Suhana Khan) और बेटे आर्यन खान की बेहद अच्छी दोस्त हैं. अनन्या को अक्सर सुहाना और आर्यन खान के साथ समय बिताते देखा गया है. वहीं, एक बार किसी इंटरव्यू में सुहाना ने यह भी बताया था कि शाहरुख़ खान उनके दूसरे पिता की तरह हैं.

अनन्या ने साल 2019 में दिए इंटरव्यू में कहा था कि, 'शाहरुख़ खान सर मेरी बेस्ट फ्रेंड (सुहाना) के पिता हैं और हम साथ में आईपीएल मैच देखने भी जा चुके हैं. हम लोगों ने काफी अजीबोगरीब और मजेदार काम किए हैं और उन्होंने हमारे साथ फोटोशूट भी करवाया था'. अनन्या आगे कहती हैं, ' शाहरुख़ सर हमेशा हमें मोटिवेट किया करते थे और उन्होंने कई मर्तबा हमारे वीडियो लेते हुए हमें ऐसा फील करवाया जैसे हम बेस्ट एक्ट्रेस हों'.

आपको बता दें कि अनन्या पांडे ने करण जौहर के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ़ द इयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. अनन्या अब तक बॉलीवुड की कुछ अन्य फिल्मों में काम कर चुकी हैं जिनमें 'पति पत्नी और वो' और 'खाली पीली' आदि शामिल है. बहरहाल, आपको बताते चलें कि शाहरुख़ खान की मुसीबतें फिलहाल कम होने का नाम नहीं ले रहीं हैं. शाहरुख़ खान के बेटे आर्यन खान को 2 अक्टूबर को एनसीबी ने हिरासत में लिया था जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था. फिलहाल आर्यन आर्थर रोड जेल में बंद हैं.

टॉपलेस फोटो शेयर करने पर ट्रोल हुई थीं ईशा गुप्ता, अब बोलीं- मर्द शर्टलेस हो जाएं तो उन्हें कोई कुछ नहीं कहता

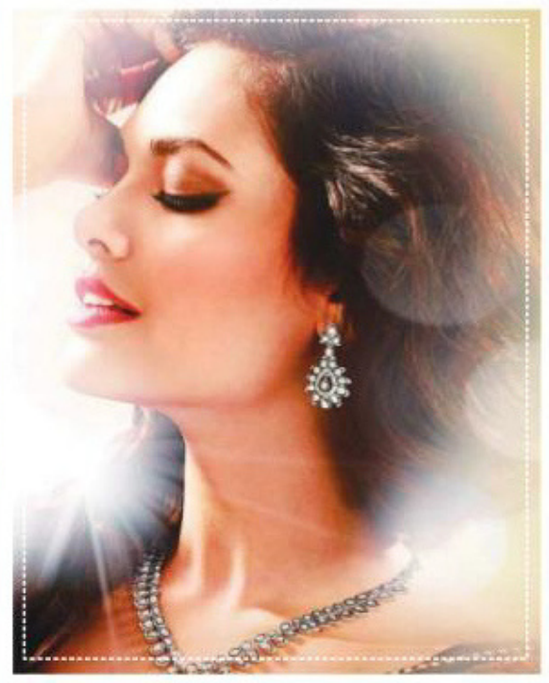

एक्ट्रेस ईशा गुप्ता (Esha Gupta) हाल में अपनी एक टॉपलेस फोटो के चलते खासे विवादों में आ गई थीं. एक्ट्रेस को सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा था. असल में ईशा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर किया था, जिसमें वो कैमरे के तरफ पीठ करके खड़ीं थीं. बहरहाल, बोल्ड फोटो के चलते ट्रोलिंग का शिकार हो रहीं ईशा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इस पूरे वाकये पर अपनी राय रखी है. ईशा ने कहा है कि, 'यह एक जेंडर बायसनेस (भेदभाव) है और कुछ नहीं, इतने सारे मेल एक्टर्स शर्टलेस होकर तस्वीरें शेयर करते हैं लेकिन उनसे कोई कुछ नहीं कहता.'

ईशा आगे कहती हैं, 'लोग शर्टलेस एक्टर्स को देखकर कहते हैं, वाह भाई क्या बॉडी है !!'. ईशा ने इस बात पर भी आपत्ति जताई है कि महिलाओं के कपड़े रेप के लिए जिम्मेदार हैं. एक्ट्रेस कहती हैं, 'ये लोगों की मेंटालिटी है जिसे ब्लेम करना चाहिए, महिलाओं के कपड़े देखकर यदि लोगों के मन में रेप का ख्याल भी आता है तो यह प्रॉब्लम वाली बात है.' सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग का शिकार होने वाली ईशा इससे कैसे डील करती हैं? इस सवाल के जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं इतनी मैच्योर हो चुकी हूं कि अब ऐसे बातों पर रियेक्ट ही नहीं करती'.

ईशा कहती हैं, 'आप कुछ भी कर लें लोग आप पर ऊंगली उठाना नहीं छोड़ेंगे, मुझे याद है एक बार मैने साड़ी में अपनी एक तस्वीर शेयर की थी जिस पर कमेंट आया, 'आज पूरे कपड़ों में फोटो डाला है', जब मैं मेकअप में अपनी तस्वीर शेयर करती हूं तो लोग कहते हैं प्लास्टिक ब्यूटी और जब बिना मेकअप के शेयर करती हूं तो मुझे बदसूरत कहते हुए मेकअप करने की सलाह देते हैं'.

करीना कपूर के बेट जेह का पीछा करते पैपराजी पर भड़की सबा अली खान, सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर के बेटे जेह का पीछा करने वाले पैपराजी पर सबा अली खान ने जमकर अपनी भड़ास निकली. सबा ने अपनी इंस्टा स्टोरी में एक वीडियो शेयर करते हुए इसे छोटे बच्चे जेह को टॉर्चर रपना बताया. ये वीडियो उस वक्त का है जब करीना कपूर अपनी दोस्त अमृता अरोड़ा के जन्मदिन पर उनके घर पहुंची थी, इस दौरान उनके घर के बाहर बहुत सारे पैपराजी इकट्ठा हुए थे.

इस वीडियो में करीना कपूर के बेटे जेह अपनी नैनी की गोद में कार से उतरते दिखते हैं जिसके बाद एक फोटोग्राफर नैनी को आवाज लगाता है.

इसके बाद जब जेह अपनी नैनी की गोद में बैठकर वापस जा रहे होते हैं तो पैपराजी उनका पीछा करते हैं और दूसरों से भी कहते हैं कि चलते रहो.. इस वीडियो को शेयर करते हुए सबा ने लिखा, क्या यही मीडिया चाहता है? एक बच्चे को प्रताड़ित करने के लिए? पीछा? वह वीडियो देखें.. रुको... वो एक बच्चा है,इसके साथ सबा ने आज जेह के साथ एक फोटो भी शेयर की. ये फोटो सोहा अली खान की बेटी इनाया के जन्मदिन की है. इस फोटो में उन्होंने जेह को अपनी गोद में लिया हुआ है. इस फोटो को शेयर करते हुए सबा ने लिखा जेह ... मेरी जान.. मिसिंग माय मंकिन.... जब मीडिया ने एक पार्टी में जाते हुए उन्हें कैद किया तो मुझे ये पल याद आ गया.. लगता है कि वो कान का बाली को पसंद करता है और उसे खींचना चाहता है...देखो शरारती कोसबा अक्सर तैमूर और जेह को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं. इससे पहले भी वो जेह को उनके नाम को लेकर ट्रोल किए जाने पर अपनी राय रख चुकी हैं. उन्होंने कहा था कि माता-पिता को अपने बच्चे का नाम रखने का हक होना चाहिए.

दुनिया की निगाहें रहेंगी भारत–पाक के बीच महामुकाबले पर

दुबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले बहु प्रतिष्ठित मुकाबले के लिए माहौल तैयार हो चुका है और दोनों टीमों के बीच यह सिर्फ एक मुकाबला नहीं बल्कि भावनाओं की जंग होगा। भारत और पाकिस्तान दोनों आम तौर पर क्रिकेट के मैदान में आमने सामने नहीं होते हैं और केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में उनके बीच टकराव होता है। भारत का टी 20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 5-0 का रिकॉर्ड है और वह इसे 6-0 करना चाहेगा। दूसरी तरह पाकिस्तान का मकसद भारत के खिलाफ विश्व कप में हार का क्रम तोड़ना होगा। भारतीय कप्तान विराट कोहली इस मुकाबले को किसी जंग की तरह नहीं बल्कि सामान्य मैच की तरह देख रहे हैं। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को भरोसा है कि उनकी टीम इस बार समीकरणों को बदल देगी। हालांकि दोनों टीमें मैच की गंभीरता को नहीं देख रही हैं लेकिन दोनों टीमें जानती हैं कि इस मैच का परिणाम दोनों के लिए कितना मायने रखता है। इस मैच में केवल दोनों टीमों के 11-11 खिलाड़ी नहीं खेलेंगे बल्कि दोनों देशों के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की भावनाएं इसके साथ जुड़ी रहेंगी। विराट का टी 20 कप्तान के रूप में यह आखिरी टूर्नामेंट है और वह इस मुकाबले को हर हाल में जीतना चाहेंगे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ अपने दोनों अभ्यास मैच बेहद आराम से जीते है जबकि पाकिस्तान ने एक अभ्यास मैच जीता है और एक हारा है। लेकिन अब अभ्यास की बात नहीं बल्कि सीधे मैच की बात है जिसमें जो बेहतर प्रदर्शन करेगा वही जीतेगा।

पाकिस्तान ने 12 खिलाड़ियों का किया ऐलान

पाकिस्तान ने यहां कल भारत के खिलाफ अपने पहले टी-20 विश्व कप मुकाबले के लिए अपने 12 खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। कप्तान बाबर आजम सहित इस सूची में पांच विशेषज्ञ बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), आसिफ अली, हैदर अली, फखर जमान शामिल हैं, जबकि ऑलराउंडर और स्पिनर के रूप में मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शादाब खान और इमाद वसीम को चुना गया है। इसके अलावा तेज गेंदबाजी विभाग में हसन अली, शाहीन आफरीदी और हैरिस राउफ को जगह मिली है।

- भारत और पाकिस्तान में होगी भावनाओं की जंग
- भारत की निगाहें पाक पर जीत का 'छक्का' जड़ने पर
- विराट अपनी कप्तानी में भारत को खिताब जिताने में कसर नहीं छोड़ेंगे
- पाक के कप्तान बाबर भारत का विजयरथ रोकने को बेताब
- भारत-पाक में जो नाजुक क्षण पर ज्यादा धैर्य रखेगा वही जीतेगा

भारत की ताकत ही है उसकी मजबूत बल्लेबाजी

मिजाज और नैसर्गिक रूप से आक्रामक बल्लेबाज उपकप्तान रोहित शर्मा और लोकेश राहुल की सलामी जोड़ी किसी भी पिच पर तेज, स्विंग और स्पिन यानी हर तरह की गेंदबाजी से पार पाना जानती हैं। फिर तीसरे नंबर पर पिछले दो टी-20 विश्व कप में मैन ऑफ द टूर्नामेंट रहे कप्तान विराट कोहली की मौजूदगी भारत को शीर्ष क्रम में बहुत विकल्प देती है। भारत की ताकत ही है उसकी मजबूत बल्लेबाजी। भारत रविवार को पाकिस्तान ही नहीं बल्कि पूरे टी-20 विश्व कप में इन तीनों से कम से कम एक से 19-20 वें ओवरों तक टिकने की आस करेगा। भारत के शीर्ष क्रम में इन तीनों के बाद विस्फोटक सूर्य कुमार यादव, इशान किशन और ऋषभ पंत खासतौर पर बीच के ओवरों में रनों की तेज रफ्तार कायम रख सकते हैं। खासतौर पर सूर्य मिडलओवरों भारत के लिए गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। साथ ही निचले मध्यक्रम में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और यहां तक शार्दूल ठाकुर और हार्दिक पांडया (फिलहाल गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं) गेंद के साथ भी बल्ला भांज कर टीम इंडिया को बड़े स्कोर तक पहुंचाने का दम रखते हैं।

अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलेंगे : विराट कोहली

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि पाकिस्तान की टीम में कई गेम चेंजर हैं और हमें उनसे आगे रहने के लिए अपने स्वभाविक गेम के साथ खेलना होगा और उन्हें उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल खेलेंगे। विराट ने शनिवार को यहां मैच की पूर्वसंध्या पर वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम कल के मैच के लिए बिल्कुल तैयार हैं, हम पूरे आत्मविश्वास के साथ मैच खेलने जाएंगे, हालांकि हम चीजों को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि पाकिस्तान एक मजबूत टीम है। आपको हर बार उनके खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होता है। उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपने दम पर खेल का रुख बदल सकते हैं। हमें पाकिस्तान के खिलाफ अपने सर्वश्रेष्ठ गेम प्लान के साथ खेलना होगा। विश्व कप में आपको अलग-अलग टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है, जिनसे हम पहले नहीं खेले होते हैं। बायो-बबल को लेकर खिलाड़ियों से बात करना जरूरी है, क्योंकि लगातार क्रिकेट खेलना मुश्किल होता है।

रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं : बाबर आजम

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि पाकिस्तानी टीम को अतीत के बारे में नहीं सोचना चाहिए, बल्कि वर्तमान पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं। हम सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। हमें पिछले रिकॉर्ड पर बात नहीं करनी चाहिए। आगे क्या होना है, हम सिर्फ इस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पाकिस्तान भारत को हल्के में नहीं ले सकता, क्योंकि उसके खिलाफ मैच काफी मुश्किल होते हैं, इसलिए खिलाड़ियों को खेल के सभी विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की जरूरत है। पाकिस्तानी कप्तान ने अपनी गेंदबाजी इकाई पर भरोसा जताते हुए कहा, हमारे गेंदबाज दबाव में नहीं हैं, लेकिन ऐसा लग रहा है कि टीम ने बड़े मैचों से पहले अभ्यास में विभिन्न रणनीतियों का परीक्षण करने की कोशिश की है। गेंदबाजी हमेशा पाकिस्तान के लिए तुरुप का इक्का रहा है। गेंदबाज अच्छे आकार में हैं और उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में खेलने का काफी अनुभव है। जहां तक हमारी बल्लेबाजी का सवाल है, हम चीजों को सरल रखते हैं और टाइटल क्लैश या नॉकआउट पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय मैच को बॉल बाय बॉल लेते हैं।

विजयी क्रम जारी रखने के मकसद से उतरेंगे श्रीलंका और बांग्लादेश

शारजाह, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया की दो अच्छी क्रिकेट टीमें श्रीलंका और बंगलादेश रविवार को यहां शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में टी-20 विश्व कप 2021 के सुपर 12 चरण के मुकाबले में अपना विजयी क्रम जारी रखने के मकसद से उतरेंगी।

दोनों टीमें विश्व कप के क्वालीफिकेशन राउंड में अच्छा प्रदर्शन करके आ रही हैं। श्रीलंका ने जहां ग्रुप ए में तीनों मैच जीत कर छह अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए सुपर 12 के ग्रुप एक में क्वालीफाई किया है, वहीं बंगलादेश ने तीन में से दो मैचों में बड़ी जीत दर्ज कर चार अंकों के साथ ग्रुप बी दूसरे स्थान पर रहते हुए ग्रुप एक में जगह बनाई है। बंगलादेश हालांकि पहले मैच में बेहद खराब क्रिकेट खेला था, लेकिन आखिरी दो मुकाबलों में उसने जबरदस्त और मजबूत वापसी की।

दोनों ही टीमें कल के मैच के मायने जानती हैं, इसलिए इसे किसी भी हाल में जीतना चाहेंगी। वे जानती हैं कि वे ग्रुप ऑफ डेथ कहे जा रहे ग्रुप एक में इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें मौजूद हैं। ऐसे में दोनों टीमें इस मैच में जीत के साथ दो अंक हासिल करना चाहेंगी। बेशक देखने में ये टीमें श्रीलंका और बंगलादेश से बेहतर लगें, लेकिन श्रीलंका और बंगलादेश ने अपने हालिया प्रदर्शन से सभी को चौंकाया है। बंगलादेश ने जहां इस वर्ष अगस्त और सितंबर में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को टी-20 सीरीज में हराया था, वहीं श्रीलंका ने सितंबर में दक्षिण अफ्रीका को वनडे और जुलाई में भारत जैसे मजबूत टीम को टी-20 सीरीज में पटकनी दी थी।

दिल्ली ने अंडमान-निकोबार की टीम को 21-0 से धोया

झांसी 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी में चल रही 11वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हॉकी चैम्पियनशिप-2021 के तीसरे दिवस शनिवार को अंडमान -निकोबार की टीम को दिल्ली की टीम ने खेल के हर क्षेत्र में करारी मात देते हुए 21-0 की जीत दर्ज की। मैच की शुरूआत में ही बढ़त लेकर आत्मविश्वास से भरी दिल्ली की टीम पूरी तरह से मैच में हावी रही और उसने अंडमान-निकोबार की लड़कियों को कहीं टिकने नहीं दिया। अंडमान की टीम पूरे मैच के दौरान बुरी तरह से संघर्ष करती ही नजर आयी। अंडमान-निकोबार की टीम ने लगातार दूसरे मैच में बेहद निराशाजनक खेल का प्रदर्शन किया । इससे पहले प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में भी राजस्थान के हाथों उसे 21-0 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। आज के मैच का प्रदर्शन दिखाता है कि अंडमान-निकोबार की

टीम ने अपने पिछले अनुभव से कोई सीख नहीं ली जिसका भुगतान उन्हें आज एक और मैच में मिली जबरदस्त हार से करना पड़ा।

हॉकी झारखण्ड एवं हॉकी राजस्थान के मध्य खेले गये मैच में झारखण्ड 6-2 गोल से विजयी रही। हॉकी कर्नाटक एंव हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु के मध्य खेले गये मैच में कर्नाटक ने 1-0 गोल से विजय प्राप्त की। तेलंगाना हॉकी एवं त्रिपुरा हॉकी के मध्य खेले गये मैच में त्रिपुरा ने शानदार खेल दिखाते हुए तेलंगाना की टीम को 8-0 से मात दी और जवाब के तेलंगाना की टीम एक भी गोल नही कर पायी। उत्तर प्रदेश हॉकी एवं केरल हॉकी के मध्य खेले गये मैच में दोनो ही टीमों ने पूरा दमखम दिया और मैच 1-1 गोल से बराबरी पर रहा। असम हॉकी एवं हॉकी जम्मू एण्ड कश्मीर के मध्य खेले गये मैच में असम 6-1 गोल से विजयी रही।

इससे पहले प्रतियोगिता के तीसरे दिन के मुख्य अतिथि शादाब असलम अपर नगर आयुक्त नगर निगम एवं विशिष्ट अतिथि जगदीश राम गौतम जिला पंचायत राज अधिकारी व निशा मिश्रा, कोषाध्यक्ष उप्र हॉकी/सेवानिवृत्त क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी का स्वागत क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी सुरेश बोनकर व सुबोध खाण्डेकर सचिव झांसी हॉकी द्वारा बुके देकर किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कल से शुरू होगा फेनेस्ता ओपन का मुख्य ड्रा

नई दिल्ली। फेनेस्ता ओपन राष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप का मुख्य ड्रा सोमवार से शुरू होगा। सुरक्षा कारणों और कोविड 19 प्रतिबंधों के चलते इस बार केवल पुरुष और महिला मुकाबले ही आयोजित हो रहे हैं और विजेता को तीन-तीन लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। पुरुष वर्ग में निक्की पूनाचा, वीएम रणजीत, दलविंदर सिंह , विष्णु वर्धन और कुणाल आनंद खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे जबकि महिला वर्ग में प्रेरणा भाम्बरी, जील देसाई,शर्मदा बालू, साई संहिता और वैदेही चौधरी दावेदार रहेंगी। डीएलटीए काम्प्लेक्स में सभी कोविड 19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखा जाएगा। डीसीएम श्रीराम लिमि के अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रबंध निदेशक अजय श्रीराम ने टूर्नामेंट के बारे में कहा,फेनेस्ता ओपन नेशनल को आयोजित करना हमारे लिए बच्चे गर्व की बात है।

फीफा विश्व कप कतर 2022 आयोजन स्थल अल थुमाना स्टेडियम का अनावरण

दोहा। कतर का नवीनतम फीफा विश्व कप टूर्नामेंट आयोजन स्थल-अल थुमामा स्टेडियम का फुटबाल क्लब अल रेयान ओर अल साद के बीच हुए आमिर कप फाइनल मुकाबले से पहले शुक्रवार की रात को अनावरण किया गया था। इस शानदार स्टेडियम को कतरी वास्तुकार इब्राहिम एम जैदाह ने डिजाइन किया। इसका उद्घाटन फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो और कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी की उपस्थिति में किया गया था। इसके उद्घाटन के साथ देश ने 2022 विश्व कप की मेजबानी के रास्ते में एक और मील का पत्थर स्थापित किया। इन्फेंटिनो ने स्टेडियम को कलात्मक करार देते हुए कहा कि वह मध्य-पूर्व में पहला फीफा विश्व कप देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, कतर फुटबॉल की दुनिया को विस्मित करना जारी रखे हुए है और यह तब तक नहीं रुकेगा जब तक फीफा विश्व कप समाप्त नहीं हो जाता। अल थुमामा स्टेडियम कला का एक उत्कृष्ट नमूना है और देश तथा क्षेत्र के लिए बहुत महत्व रखता है।

किशोर कुमार जेना पुरुष फाइनल में शीर्ष पर, अनुभवी विपिन कसाना से भिड़ेंगे

नई दिल्ली। किशोर कुमार जेना (ओडिशा) ने यहां शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एफआई) की तीसरी राष्ट्रीय ओपन भाला फेंक चैंपियनशिप में 70.96 मीटर के आसान प्रयास के साथ 12 पुरुष फाइनलिस्ट की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। उल्लेखनीय है कि उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 76.41 मीटर थ्रो फेंका था, हालांकि वह वारंगल में नेशनल ओपन में पोडियम (शीर्ष तीन) फिनिश करने से चूक गए थे। वहीं दूसरी ओर विपिन कसाना (दिल्ली) ने दो साल से अधिक समय के बाद राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करते हुए फाइनल में जगह बनाने के लिए पसीना नहीं बहाया।

खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता पर कभी सवाल नहीं उठाया : नजमुल हसन

ढाका, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने मौजूदा टी-20 विश्व कप में टीम के कप्तान महमूदुल्लाह के भावनात्मक बयान के बाद उन पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि उन्होंने कभी भी खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता पर सवाल नहीं उठाया है। नजमुल ने शुक्रवार को सोमॉय टीवी को बताया, दो चीजें हैं जो मुझे समझ नहीं आईं। जैसे महमूदुल्लाह ने कहा कि जब कोई उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाता है तो उन्हें बुरा लगता है। मुझे नहीं लगता कि किसी ने उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया है। मैंने एक बार भी उनकी प्रतिबद्धता के बारे में बात नहीं की। दूसरी बात जो उन्होंने कही कि मैंने उन्हें कम आंका, मुझे लगता है कि यह एक भावनात्मक बयान है। मैं अभी

भी अपनी बात पर कायम रहूंगा कि मैं पहले मैच में उनके दृष्टिकोण, रवैये और योजना से खुश नहीं था। उल्लेखनीय है कि टी-20 विश्व कप के क्वालीफिकेशन राउंड में स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरुआती मैच में हार के बाद नजमुल ने टीम पर भड़ास निकाली थी, जिसका ड्रेसिंग रूम के माहौल पर काफी असर पड़ा था, हालांकि बाद में आखिरी दो मैच जीत कर सुपर 12 चरण में बंगलादेश को जगह दिला कर कप्तान महमूदुल्लाह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए थे और टीम के आलोचकों पर पलटवार करते हुए कहा था कि खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाना अनुचित है।

नजमुल ने यह भी कहा कि वह काफी हैरान हैं कि महमूदुल्लाह ने यह कहते हुए उनकी राय को व्यक्तिगत रूप से लिया कि स्कॉटलैंड के सामने आत्मसमर्पण बंगलादेश के लिए शर्मिंदगी से कम नहीं था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि महमूदुल्लाह और अन्य खिलाड़ियों को एक बात समझने की जरूरत है, जैसे उन्होंने कहा कि वे इंसान हैं, टीम के समर्थक और दर्शक भी इंसान हैं और ऐसा ही बीसीबी में है। यहां व्यक्तिगत रूप से लेने के लिए कुछ भी नहीं है, क्योंकि हमने जो कुछ भी कहा वह टीम और देश के लिए था, किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं।

टीम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेगी : मोर्गन

दुबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी वर्ल्ड कप 2021 की शुरुआत आज होने जा रही है। इस टूर्नामेंट में आज देर शाम वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच दूसरा मैच खेला जाएगा। इस बीच, इंग्लैंड की पूर्व महिला टीम की कप्तान शार्लेट एडवर्डस को लगता है कि खराब फॉर्म से गुजर रहे इयोन मोर्गन वेस्टइंडीज के खिलाफ %सुपर 12% मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को बेहतर शुरुआत देंगे। एडवर्डस ने कहा कि इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में जीत के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। एडवर्डस ने कहा कि मोर्गन का फॉर्म हाल के दिनों में बहुत अच्छा नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने पहले के मैचों में

अच्छा प्रदर्शन किया, इसलिए वह इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मोर्गन एक बड़े टूर्नामेंट के प्लेयर हैं। हालांकि यहां भारत के साथ अभ्यास मैच में इंग्लैंड की बुरी तरह से हार हुई थी। जिसके बाद टीम वापसी करते हुए दूसरे अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड को हराने में सफल हुई थी।

मोर्गन का रन बनाने से ज्यादा टीम में रहना महत्वपूर्ण : नासिर

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने शनिवार को टीम के कप्तान इयोन मोर्गन को लेकर कहा कि उनके रन बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण है उनका टीम में रहना, क्योंकि उन्होंने यहां अभ्यास मैचों के दौरान अच्छा फॉर्म न होने के कारण खुद को टीम से बाहर रखा। मॉर्गन का फॉर्म आईपीएल टूर्नामेंट से खराब रहा। फिर भी उन्होंने अपनी टीम को आईपीएल के फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ फाइनल मैच में सस्ते में निपट गए, जिसके कारण केकेआर की टीम 192 रनों का पीछा करते हुए 27 रनों से हार गई।

पेफी ने सांसदों और विधायकों की टीम को तीन विकेट से हराया

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संगठन फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट को लेकर सेंट्रल सेक्रेटरियेट के विनय मार्ग स्थित स्पोर्ट्स ग्राउंड पर सांसद एवं विधायकों और पेफी टीम के बीच 20- 20 मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन केंद्रीय ?ानून और न्याय राज्यमंत्री, भारत सरकार प्रो ?सर एस पी सिंह बघेल ने पेफी के राष्ट्रीय महासचिव पियूष जैन की गेंद को मारकर किया । पेफी ने यह मैच तीन विकेट से जीता। पेफी- 11 के कप्तान अमर चौहान ने टॉस जीतकर जनप्रतिनिधि 11 को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया जहां जनप्रतिनिधि (सांसद विधायक) - 11 ने मेरठ दक्षिण के विधायक सोमेंद्र तोमर की शानदार 42 रनों की पारी के दम पर 119 रन बनाए । जनप्रतिनिधि (सांसद विधायक) -11 टीम ने के कप्तान के रूप में भारत सरकार के कानून एवं न्याय राज्य मंत्री प्रो ?सर एस. पी. सिंह बघेल रहे जिन्होने गेंदबाजी करते हुए एक शानदार मैडन ओवर निकाला । उत्तरप्रदेश के सबसे युवा विधायक कुशाग्र सागर ने बल्ले, गेंद और क्षेत्ररक्षण में उम्दा प्रदर्शन किया । बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया । जनप्रतिनिधि (सांसद विधायक) -11 की टीम में प्रो एस पी सिंह बघेल केंद्रीय राज्यमंत्री, रमेश चंद्र मिश्रा विधायक बदलापुर, मेरठ दक्षिण विधायक सोमेंद्र तोमर, कटरा शाहजहांपुर के विधायक वीर विक्रम सिंह, घोसी के विधायक विजय कुमार राजभर, दिल्ली के विधायक जितेंद्र महावर, बिठूर के विधायक अभिजीत सांगा, विसौलि के विधायक कुशाग्र

ऑस्ट्रेलिया की विजयी शुरुआत, दक्षिण अफ्रीका को पांच विकेट से पीटा

अबू धाबी, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को यहां शनिवार को टी-20 विश्व कप 2021 के पहले मुकाबले में पांच विकेट से हराकर पूरे अंक हासिल किये।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप एक के इस मुकाबले में नौ विकेट पर 118 रन के मामूली स्कोर पर रोकने के बाद 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 121 रन बनाकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। लक्ष्य मुश्किल नहीं था और कप्तान आरोन फिंच के शून्य और डेविड वार्नर के 14 रन बनाकर टीम के 20 रन के स्कोर तक पवेलियन लौट जाने के बाद स्टीवन स्मिथ ने 34 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 35 रन, ग्लेन मैक्सवेल ने 21 गेंदों में 18 रन , मार्कस स्टॉयनिस ने 16 गेंदों में तीन चौकों के सहारे नाबाद 24 और विकेटकीपर मैथ्यू वेड ने 10 गेंदों में दो चौकों के सहारे नाबाद 15 बनाकर टीम को जीत दिला दी। मैच में 19 रन पर दो विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने

उतरी दक्षिण अफ्रीकाई टीम शुरुआत से ही संघर्ष करती दिखी, जिसके चलते वह 20 ओवर में नौ विकेट पर 118 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों, खास कर जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और एडम जम्पा ने कसी हुई गेंदबाजी के जरिए तीनों सलामी बल्लेबाजों को बांध कर रखा। परिणामस्वरूप दबाव में आकर उन्होंने अपना विकेट गंवा दिए। क्विंटन डी कॉक के साथ ओपनिंग करने आए कप्तान तेम्बा बावुमा सबसे पहला शिकार बने। पार्ट टाइम गेंदबाज ग्लेन मैक्सवेल ने उन्हें आउट किया। उन्होंने दो शानदार चौकों की मदद से सात गेंदों पर 12 रन बनाए। वहीं डी कॉक एक चौके की मदद से 12 गेंदों पर सात, जबकि आखिरी अभ्यास मैच में पाकिस्तान के खिलाफ विस्फोटक शतक जड़ने वाले रैसी वान डेर डुसेन तीन गेंदों पर दो रन बना कर आउट हुए।

शीर्ष क्रम के फ्लॉप रहने के बाद मध्य क्रम के बल्लेबाज एडेन मार्क्रम ने पारी को संभाला, जिसमें हेनरिक क्लासेन ने उनका साथ दिया, हालांकि क्लासेन लंबी पारी नहीं खेल पाए और दो चौकों की मदद से 13 गेंदों पर 13 रन बना कर आउट हो गए। इसके बाद अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर ने मार्क्रम के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 34 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। मिलर हालांकि अपना स्वभाविक खेल नहीं खेल पाए और बगैर कोई बाउंड्री लगाए 18 गेंदों पर 16 रन बना कर अपना विकेट गंवा दिया, लेकिन मार्क्रम दूसरे छोर पर टिके रहे और तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 36 गेंदों पर 40 रन की अहम पारी खेली। वहीं अंत में तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा ने भी एक चौके और एक छक्के के सहारे 23 गेंदों पर 19 रन बनाए। उनके इस योगदान की वजह से टीम 118 के स्कोर तक पहुंच पाई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने चार ओवर में 19, एडम जम्पा ने चार ओवर में 21 और मिचेल स्टार्क ने चार ओवर में 32 रन देकर दो-दो विकेट लिए। वहीं पैट कमिंस और ग्लेन मैक्सवेल को भी एक-एक विकेट मिला।